Govt. J.M.C. Girls College, Mandla, Madhya Pradesh

AISHE Code: C-33429

Accredited: Grade 'B' by NAAC

Phone: 07642-252536 **E-Mail:** hegjcgcman@mp.gov.in
Website: https://gjmcgirlscollegemandla.in/

Towards Excellence...

Annual Calendars of Swami Vivekanand Career Guidance Cell

2018-19 To 2022-23

Index

Sr. No.	Name of the Particular	Page No.
1	SVCG Cell_2018-2019	1-11
2	SVCG Cell_2019-2020	12-17
3	SVCG Cell_2020-2021	18-25
4	SVCG Cell_2021-2022	26-34
5	SVCG Cell_2022-2023	35-43

कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा,
स्वामी विवेकानन्द कॅरियर मार्गदर्शन योजना,
तृतीय तल, कक्ष क्र. 01, सतपुड़ा भवन, भोपाल
Pin- 462004 e-mail: hesvcgs@mp.gov.in

क्रमांक 499 / 17 भोपाल, दिनांक 27.06.17

प्रति,

समस्त प्राचार्य,
शासकीय महाविद्यालय,
मध्य प्रदेश

ध्यानार्कषण :– **प्रकोष्ठ प्रभारी, स्वामी विवेकांनद कॅरियर मार्गदर्शन योजना।**

विषय :– वर्ष 2017–18 के लिये कॅरियर केलेण्डर तथा मासिक रिपोर्ट के प्रारूप बाबद्।

उपर्युक्त विषय में लेख है, कि स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के तहत नियमित कॅरियर गतिविधियों के संचालनार्थ वार्षिक कॅरियर केलेण्डर तथा मासिक रिपोर्ट का प्रारूप संलग्न प्रेषित है।

आपसे अनुरोध है कि वार्षिक कॅरियर केलेण्डर का अध्ययन महाविद्यालय के सभी सुधी प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान, अनुबंधित व्याख्यानदाता, ग्रंथपाल एवं कीडा अधिकारी भी करें, ऐसी व्यवस्था करने का कष्ट करें, ताकि वे भी अपनी रूचि एवं विशिष्ट योग्यता अनुसार इसके कियान्वयन में अमूल्य योगदान प्रदान कर सके।

समय–समय पर आयुक्त कार्यालय तथा विधानसभा में पुछे गये विभिन्न प्रश्नों में योजना से लाभांवित विद्यार्थियों की जानकारी मांगी जाती है। अतः कृपया नियमित रूप से कॅरियर केलेण्डर के तहत संपन्न की गई मासिक गतिविधियों की जानकारी का संधारण महाविद्यालय के प्रकोष्ठ में भी करें तथा **संलग्न प्रारूप में** रिपोर्ट प्रत्येक माह की पॉच तारीख तक इस कार्यालय को आवश्यक रूप से मेल/डाक द्वारा प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

संलग्न :– कॅरियर केलेण्डर 2017–18 तथा मासिक-रिपोर्ट का प्रारूप।

प्रभारी निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, भोपाल

क्रमांक 500 / 17 भोपाल दिनांक 27.06.17

प्रतिलिपि :–

1. निज सचिव आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन, सतपुडा भवन भोपाल।
2. समस्त क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. की ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु।
3. प्रभारी आई टी सेल, कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा सतपुड़ा भवन, विभागीय वेबसाइड पर अपलोड करने हेतु।

प्रभारी निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, भोपाल

कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा,
स्वामी विवेकानन्द कॅरियर मार्गदर्शन योजना,
तृतीय तल, कक्ष क. 01, सतपुड़ा भवन, भोपाल
Pin- 462004 e-mail: hesvcgs@mp.gov.in

मध्यप्रदेश के समस्त शासकीय महाविद्यालयों के लिए

शैक्षणिक सत्र 2017–18 के लिए निर्धारित कॅरियर कार्यक्रम कैलेंडर

माह जुलाई 2017

आरंभिक एवं शुन्य कक्षाओं मे विद्यार्थियों को जीवन में कॅरियर नियोजन के महत्व, एवं इसके आयाम से परिचित करवाने हेतु व्याख्यानों का आयोजन किया जाये इस हेतु महाविद्यालयीन प्राध्यापको के साथ ही अपलब्धता अनुसार बाहय विशेषज्ञों की सहायता ली जा सकती है साथ ही महाविद्यालय के प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापकों के माध्यम से कक्षावार विद्यार्थियों को स्वॉट विश्लेषण का अभ्यास करवाया जायें।

विधार्थियों को म.प्र. शासन एंव भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे कौशल विकास कार्यकम की जानकारी के साथ साथ मान. प्रधानमंत्री जी के मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, उद्‌यमिता विकास कार्यकमो की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाये ।

माह अगस्त 2017

संकायवार, अलग–अलग संकाय के विद्यार्थियों को कॅरियर के प्रति जागरूक बनाने हेतु प्रेरणात्मक व्याख्यानों का आयोजन किया जाए तथा विशेषज्ञों की सहायता से प्रत्येक संकाय में उपलब्ध कॅरियर अवसरों की सप्ताह के हर शनिवार को अनिवार्यतः जानकारी दी जाए। सही प्रारूप में सी.वी./रेज.युमें बनाने का अभ्यास, कम्प्यूटर से परिचय, स्वयं की मेल आईडी बनाना तथा अध्ययन एवं सीखने हेतु इंटरनेट का उपयोग इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जायें।

विद्यार्थियों में उनकी रूचि के अनुसार विभिन्न कलाओं का भी विकास किये जाने की आवश्यकता है। अतः बहुत ही संक्षिप्त में नृत्य, संगीत, नाटक, चित्रकला, डिजाईनिंग, लेखन आदि का भी परिचय दिया जाना चाहिए। (यदि महाविद्यालय में इनसे संबंधित प्राध्यापक हो या आपके क्षेत्र में ऐसे लेखक, कवि, रचनाकार, कलाकार या सेवानिवृत्त व्यक्ति हो तो उनके व्याख्यान करवाए जा सकते है।)

माह सितम्बर 2017

रोजगारमूलकता बढाने हेतु तर्कशक्ति प्रशिक्षण, गणितिय अभिक्षमता प्रशिक्षण, शब्द सार्मथ्य (वोकेबलरी), डेटा इन्टरप्रिटेशन तथा संप्रेषण कौशल इत्यादि के बारे में प्रशिक्षण दिया जायें जिससे की केम्पस प्लेसमेंट के समय एप्टिटयुड टेस्ट में सफल होने का प्रतिशत बढ सकें। विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण अर्जित करने हेतु प्रेरित किया जाये।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों से प्लेसमेंट बाबद उनकी रूचि, रूझान एवं कौशल की जानकारी लिखित में प्राप्त की जाए, और इसका महाविद्यालय में संधारणं किया जाए, उक्त जानकारी लेते वक्त जिले, प्रदेश एवं देश में उपलब्ध रोजगार अवसरों, संस्थाओं की प्रोफाईल एवं जॉब

प्रोफाईल की जानकारी भी विद्यार्थियों को दी जाए। विद्यार्थियों द्वारा दी गई उक्त जानकारी के आधार पर ही प्लेसमेंट हेतु स्थानीय एवं बाह्य रोजगार प्रदाताओं को आमंत्रित किया जाए एवं प्लेसमेंट करवाएं जाएं।

विद्यार्थियों द्वारा व्यक्त रूचि व रूझान की जानकारी का संख्यात्मक विश्लेषण कर इसका संक्षिप्त प्रतिवेदन तैयार कर इस कार्यालय को email से 08 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से भेजा जाये ।

अक्टूबर 2017

व्यक्तित्व विकास एवं समूह चर्चा (Group Discussion) की तैयारी, साक्षात्कार की तैयारी, नेतृत्व क्षमता विकास, प्रबंधन एवं औपचारिक पहनावा, के प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये जाये जिससे की एप्टीटयुड टेस्ट में सफल होकर विद्यार्थी विभिन्न कंपनियों में चयनित हो सके।

व्यावसायिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु संकायवार विशेषज्ञों को आमंत्रित कर विषय से संबंधित प्रेक्टिकल ट्रेनिंग दी जाए। इस तरह की ट्रेनिंग में भाषण के बजाए प्रेक्टिकल ट्रेनिंग पर संपूर्ण ध्यान दिया जाए। इस प्रकार की ट्रेनिंग हेतु वाणिज्य संकाय में सीए, सीएस, आईसीडब्ल्यूए, टेक्स प्रेक्टिशनर, निवेश सलाहकार वाणिज्यिक कर अधिकारी, आयकर अधिकारी, उद्यमिता विभाग आदि से प्रशिक्षकों को आमंत्रित किया जा सकता है। इसी तरह विज्ञान संकाय में वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर, पैरामेडिकल, प्योर साइंस, के वरिष्ठ/सेवानिवृत्त प्राध्यापकों/विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जा सकता है। कला संकाय में व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु पत्रकार, अनुवादक, रेडियो जॉकी, एनजीओ, सिविल सेवा के अधिकारियों, राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, एनालिस्टों, मनोवैज्ञानिकों, भूगोल एवं पर्यावरणविदों को आमंत्रित करें जो कि विषय से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर सके।

पर्यटन, पर्यटन प्रबंधन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन, प्रबंधन एवं आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भी रोजगार/स्वरोजगार की असीम संभावनाएं है, अतः सुविधा होने पर इनके व्यवहारिक ज्ञान की जानकारी तथा Indian Institute of Forest Management *के पाठ्यक्रमों की जानकारी दी जाये । भारत सरकार के फैशन टेक्नालॉजी के क्षेत्र में अपार संभावनाओं वाला संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नालॉजी की जानकारी भी इच्छुक विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जाना चाहिए।*

माह नवम्बर 2017

विश्वविद्यालयीन सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में व्याख्यानों का आयोजन किया जाए। जिसमें वस्तुनिष्ठ, लघु एवं दीर्घ प्रश्नों के उत्तर किस प्रकार दिए जाएं ? किस प्रश्न के उत्तर में कितना लिखा जाए ? कैसा लिखा जाएं ? के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया जाए।

माह दिसंबर 2017

माह दिसंबर में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेशित विधार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतू जोकि स्नातक पूर्ण करने के बाद आयोजित होती है, के संबंध में जानकारी प्रदान की जाये तथा उनकी तैयारी अभी से ही किस प्रकार की जाये , पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाए ।

माह जनवरी 2018

स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर कॅरियर सप्ताह मनाया जाए जिसमें व्यक्तिव विकास के विभिन्न आयामों के प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये जाये जिससे की कैंपस प्लेसमेंट/कॅरियर अवसर मेले के दौरान विद्यार्थियों को रोजगार मिलने की संभावनाएँ बढ जायें। निर्देशानुसार चयनित महाविद्यालयों में कॅरियर अवसर मेले का आयोजन भी किया जाए।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के सहयोग से कुछ ऐसे व्याख्यान भी आयोजित किये जायें जिससे विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी स्वरोजगार योजना के साथ ही भारत सरकार व राज्य सरकार की अन्य स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी एवं स्वरोजगार स्थापना हेतु प्रेरणा एवं प्रशिक्षण प्राप्त हो सकें। यह वहुत महत्वपूर्ण है, माननीय प्रधानमंत्री जी के अनुसार विकसित भारत के लिये युवाओं को उद्यमी बनाने की आवश्यकता है ।

माह फरवरी 2018

सफल उद्यमियों से चर्चा, स्वरोजगार एवं उद्यमिता हेतु संकायवार विस्तृत व्याख्यान माह के प्रत्येक शनिवार को आयोजित किये जाएं। विद्यार्थियों को स्थानीय उद्योगों का भ्रमण करवाया जाए, जिन स्थानों पर बड़े उद्योग स्थापित नही हैं, वहॉ के विद्यार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण हेतु लघु, ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग में भ्रमण हेतु ले जाया जाए।

यदि आपके नगर/क्षेत्र में कोई कॉलसेन्टर, रेडियो स्टेशन, वृहद सेवा प्रदाय संस्था, कला दीर्घा, साहित्य अकादमी भी हो, तो वहां पर भी इच्छुक विद्यार्थियों का भ्रमण कराया जा सकता है।

माह मार्च व अप्रैल 2018

महाविद्यालय में अध्ययनरत स्नातक/स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थी जो प्रतियोगी परीक्षायें देना चाहते है, जैसे पीएससी, बैंक, बीमा, रेलवे, एसएससी, रक्षा सेवाएं कैट, मेट इत्यादि, उन्हें इन परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित व्याख्यानों का आयोजन महाविद्यालय में किया जाए।

माह मई एवं जून 2018

माह मई एवं जून में परीक्षाओं के कारण मार्गदर्शन कार्यक्रम स्थगित रहेंगे ।

विशेष –

01 माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशों के अनुरूप कॅरियर गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाना है उनकी मंशा अनुसार विद्यार्थियों में सकारात्मक विचार लाने, सामाजिक जिम्मेदारी का भाव लाने रोजगार के अवसरों की समझ बढ़ाने, पर्यावरण के प्रति जागरूक एवं कर्तव्यनिष्ठ बनाने की आवश्यकता है। अतः मोटिवेशन से संबंधित विशेषज्ञ/वक्ता/रोल मॉडल को आमंत्रित किए जाने की व्यवस्था उपलब्धता के आधार पर होनी चाहिए ताकि विद्यार्थी सकारात्मक विचार के साथ अपने कॅरियर के प्रति जागरूक बन सके।

02 प्रकोष्ठ प्रभारी/टी. पी. ओ / सदस्य को महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के केम्पस प्लेसमेंट हेतु सतत प्रयत्नशील रहना है। इस हेतु उन्हें रोजगार प्रदाताओं के संपर्क में रहना है तथा उनकी आवश्यकता के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार करते हुए प्लेसमेंट संबंधी पुनीत कार्य को भी संपन्न करते रहना है तथा मासिक प्रतिवेदन में इस बात का स्पष्ट उल्लेख करते हुऐ प्लेसमेंट देने वाली संस्था के नाम पते के साथ–साथ प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों की विस्तृत जानकारी योजना के कार्यालय को प्रेषित करना है। इसके साथ–साथ कॅरियर संबंधी विभिन्न गतिविधियों की सचित्र जानकारी (अधिकतम 2 डीजिटल फोटोग्राफ, प्रिंट नहीं) भी प्रेषित करते रहना है।

03 विद्यार्थियों को रचनात्मक लेखन एवं सृजन के क्षेत्र में भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, इस क्षेत्र में भी आजीविका के लिए प्रचुर संभावनाएं है। यदि आपके क्षेत्र में कोई प्रसिद्ध व सम्मानित लेखक, कवि या रचनाकार है या ऐसे किसी व्यक्तित्व का दौरा आपके क्षेत्र में होता है तो रूचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए उनके साथ चर्चा/संस्मरण का आयोजन महाविद्यालय को अपनी सुविधानुसार करना चाहिए।

04 ऐसे महाविद्यालय जो ग्रामीण पृष्ठभूमि में है या जिन महाविद्यालयों में कृषि या कृषितर कार्यो से जुडे परिवारों के विद्यार्थी अध्ययनरत् है, वे महाविद्यालय रूचि रखने वाले विद्यार्थियों को कृषि उपकरणों यथा वाटर पंप – मोटर, सीड़ ड्रील, स्प्रिकलर, ड्रीप इरीगेशन उपकरण के संस्थापन, रख–रखाव एवं मरम्मत की जानकारी के साथ–साथ जैविक खेती, उद्यानिकी, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती, वर्मी कम्पोस्ट आदि की जानकारी भी उपलब्ध करा सकते है। मूल रूप से आज भी हमारी अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान है, अतः हमें इन बातों पर भी ध्यान देना होगा।

05 कीडा के क्षेत्र में भी आजीविका के काफी अवसर मौजूद है, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के उपकमों में स्पोटर्स कोटा अंतर्गत। अतः महाविद्यालय में पदस्थ/कार्यरत् कीडा अधिकारी भी इच्छुक विद्यार्थियों को समय–समय पर कीडा के क्षेत्र में रोजगार संभावनाओं की जानकारी उपलब्ध कराकर उन्हे इस हेतु प्रोत्साहित कर सकते है।

06 कॅरियर केलेण्डर की नियमित गतिविधियों के संचालन हेतु विद्यार्थियों से प्रवेश के समय लिये गये कॅरियर शुल्क का उपयोग किया जाना है।

प्रभारी निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, भोपाल

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की मासिक रिपोर्ट का प्रारूप

महाविद्यालय का जावक क्र...दिनांक.................................

महाविद्यालय का नाम एवं जिला...

फोन नंबर एसटीडी कोड सहित...

प्रकोष्ठ प्रभारी का नाम ....मो.नंबर.......................ई–मेल आईडी.....................

प्रति,

निदेशक,

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, भोपाल

विषय :– माह.................................की मासिक कॅरियर रिपोर्ट

माह में आयोजित कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों हेतु संधारित रजिस्टर के आधार पर निम्नानुसार जानकारी आपकी ओर प्रेषित है ।

क्र.	दिनांक	मार्गदर्शन का विषय	विषय विशेषज्ञ/ मार्गदर्शन देने वाले का नाम, पद व मो.नंबर	लाभान्वित विद्यार्थियों की वर्गानुसार संख्या									
				SC		ST		OBC		GEN		Total	
				M	F	M	F	M	F	M	F	M	F
1													
2													
3													
		कुल योग											

प्लेसमेंट की जानकारी

क्र.	विद्यार्थियों के नाम	प्लेसमेंट की तिथि	रोजगार प्रदाता का नाम, पता एवं अधिकृत ईमेल आईडी	वेतन	रिमार्क
1					
2					

प्रकोष्ठ प्रभारी के हस्ताक्षर एवं दिनांक

प्राचार्य के हस्ताक्षर

नोटः– कृपया इस रिपोर्ट के साथ अलग से कवरिंग पत्र न लगाएं तथा उक्त रिपोर्ट इस कार्यालय की **e-mail: hesvcgs@mp.gov.in** पर ही मेल करें ।

कार्यालय निदेशक,स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल (मध्यप्रदेश)
(192, एबीएन टावर, मेजनाइन फ्लोर, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, फोन नं. 0755-2550064)
E_mail :-hesvcgs@mp.gov.in

क्रमांक / 469 / 2018 भोपाल, दिनांक 20.06.2018

प्रति,

प्राचार्य,
शासकीय महाविद्यालय (समस्त)
मध्य प्रदेश

ध्यानार्कषण :—प्रकोष्ठ प्रभारी, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना।
विषयः— वर्ष 2018—19 के लिये कॅरियर केलेण्डर तथा मासिक रिपोर्ट के प्रारूप बाबत्।

—00—

विषयान्तर्गत लेख है, कि स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के तहत नियमित कॅरियर गतिविधियों के संचालन हेतु वार्षिक कॅरियर कैलेण्डर तथा मासिक रिपोर्ट का प्रारूप संलग्न प्रेषित है।

अनुरोध है कि वार्षिक कॅरियर कैलेण्डर का अध्ययन महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, सह—प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान, अनुबंधित व्याख्यानदाता, ग्रंथपाल एवं क्रीडा अधिकारी भी करें, ऐसी व्यवस्था करने का कष्ट करें, ताकि वे भी अपनी रूचि एवं विशिष्ट योग्यता अनुसार इसके क्रियान्वयन में अमूल्य योगदान प्रदान कर सके।

समय—समय पर आयुक्त कार्यालय तथा विधानसभा में पूछे गये विभिन्न प्रश्नों में योजना से लाभांवित विद्यार्थियों की जानकारी मांगी जाती है। अतः कृपया नियमित रूप से कॅरियर कैलेण्डर के तहत संपन्न की गई मासिक गतिविधियों की जानकारी का संधारण महाविद्यालय के प्रकोष्ठ में भी करें तथा संलग्न प्रारूप में मासिक रिपोर्ट प्रत्येक माह की आगामी पॉच तारीख तक इस कार्यालय को आवश्यक रूप से मेल / डाक द्वारा प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

संलग्न :— कॅरियर कैलेन्डर 2018—19 तथा मासिक रिपोट प्रारूप।

(कमलाकर सिंह)
निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा भोपाल (म0प्र0)

पृ0क्रमांक / 470 / 2018 भोपाल, दिनांक 20.06.2018

प्रतिलिपिः—

1. निज सचिव आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन, सतपुडा भवन भोपाल।
2. क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा समस्त संभाग म0प्र0 की ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु।
3. वि0क0अ0 आई टी सेल, कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा सतपुड़ा भवन, विभागीय वेबसाइड पर अपलोड करने हेतु अग्रेषित।

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा भोपाल (म0प्र0)

डा. पी. दीक्षित
आ0 का0 करें।
जुलाई 2019 के लिए
कार्य उपतैयार करें
22/06/18

कार्यालय निदेशक,स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल (मध्यप्रदेश)
(192, एवीएन टावर, मेजनाइन फ्लोर, जोन–1, एम.पी. नगर, भोपाल, फोन नं. 0755–2550064)
E_mail :-hesvcgs@mp.gov.in

मध्यप्रदेश के समस्त शासकीय महाविद्यालयों के लिए
शैक्षणिक सत्र 2018–19 के लिए निर्धारित कॅरियर कार्यक्रम कैलेंडर माह जुलाई 2018

माह–जुलाई–2018

आरंभिक एवं शून्य कक्षाओं मे विद्यार्थियों को जीवन में कॅरियर नियोजन के महत्व, एवं इसके आयाम से परिचित करवाने हेतु व्याख्यानों का आयोजन किया जाये इस हेतु महाविद्यालयीन प्राध्यापको के साथ ही अपलब्धता अनुसार बाहय विशेषज्ञों की सहायता ली जा सकती है साथ ही महाविद्यालय के प्राध्यापक / सहायक प्राध्यापकों के माध्यम से कक्षावार विद्यार्थियों को स्वॉट विश्लेषण का अभ्यास करवाया जाये। विधार्थियों को म.प्र. शासन एंव भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे कौशल विकास कार्यकम की जानकारी के साथ साथ मान. प्रधानमंत्री जी के मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, उद्यमिता विकास कार्यक्रमो की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाये ।

माह–अगस्त–2018

संकायवार, अलग–अलग संकाय के विद्यार्थियों को कॅरियर के प्रति जागरूक बनाने हेतु प्रेरणात्मक व्याख्यानों का आयोजन किया जाए तथा सप्ताह के हर शनिवार को विशेषज्ञों की सहायता से प्रत्येक संकाय में उपलब्ध कॅरियर अवसरों की अनिवार्यतः जानकारी दी जाए। सही प्रारूप में सी. वी. / रिज्यूम बनाने का अभ्यास, कम्प्यूटर से परिचय, स्वयं की मेल आईडी बनाना तथा अध्ययन एवं सीखने हेतु इंटरनेट का उपयोग इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जाये।

विद्यार्थियों में उनकी रूचि के अनुसार विभिन्न कलाओं का भी विकास किये जाने की आवश्यकता है। अतः बहुत ही संक्षिप्त में नृत्य, संगीत, नाटक, चित्रकला, डिजाईनिंग, लेखन आदि का भी परिचय दिया जाना चाहिए। (यदि महाविद्यालय में इनसे संबंधित प्राध्यापक हो या आपके क्षेत्र में ऐसे लेखक, कवि, रचनाकार, कलाकार या सेवानिवृत्त व्यक्ति हो तो उनके व्याख्यान करवाए जा सकते है।)

माह–सितम्बर–2018

रोजगार मूलकता बढाने हेतु तर्कशक्ति प्रशिक्षण, गणितिय अभिक्षमता प्रशिक्षण, शब्द सार्मथ्य (वोकेबलरी), डेटा इन्टरप्रिटेशन तथा संप्रेषण कौशल इत्यादि के बारे में प्रशिक्षण दिया जायें जिससे की केम्पस प्लेसमेंट के समय एप्टिट्युड टेस्ट में सफल होने का प्रतिशत बढ सके। विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण अर्जित करने हेतु प्रेरित किया जाये।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों से प्लेसमेंट बाबत् उनकी रूचि, रूझान एवं कौशल की जानकारी लिखित में प्राप्त की जाए, और इसका महाविद्यालय में संधारण किया जाए। उक्त जानकारी लेते वक्त जिले, प्रदेश एवं देश में उपलब्ध रोजगार अवसरों, संस्थाओं की प्रोफाईल एवं जॉब प्रोफाईल की जानकारी भी विद्यार्थियों को दी जाए। विद्यार्थियों द्वारा दी गई उक्त जानकारी के आधार पर ही प्लेसमेंट हेतु स्थानीय एवं बाह्यय रोजगार प्रदाताओं को आमंत्रित किया जाए एवं प्लेसमेंट करवाएं जाएं। विद्यार्थियों द्वारा व्यक्त रूचि व रूझान की जानकारी का संख्यात्मक विश्लेषण कर इसका संक्षिप्त प्रतिवेदन तैयार कर इस कार्यालय को email से 08 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से भेजा जाये ।

माह–अक्टूबर–2018

व्यक्तित्व विकास एवं समूह चर्चा (Group Discussion) की तैयारी, साक्षात्कार की तैयारी, नेतृत्व क्षमता विकास, प्रबंधन एवं औपचारिक पहनावा, के प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये जाये जिससे की एप्टीटयुड टेस्ट में सफल होकर विद्यार्थी विभिन्न कंपनियों में चयनित हो सके। व्यावसायिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु संकायवार विशेषज्ञों को आमंत्रित कर विषय से संबंधित प्रेक्टिकल ट्रेनिंग दी जाए। इस प्रकार की ट्रेनिंग हेतु वाणिज्य संकाय में सीए, सीएस, आईसीडब्ल्यूए, टेक्स प्रेक्टिशनर, निवेश सलाहकार वाणिज्यिक कर अधिकारी, आयकर अधिकारी, उद्यमिता विभाग आदि से प्रशिक्षकों को आमंत्रित किया जा सकता है। इसी तरह विज्ञान संकाय में वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर, पैरामेडिकल, प्योर साइंस, के वरिष्ठ/सेवानिवृत्त प्राध्यापकों/विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जा सकता है। कला संकाय में व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु पत्रकार, अनुवादक, रेडियो जॉकी, एनजीओ, सिविल सेवा के अधिकारियों, राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, एनालिस्टों, मनोवैज्ञानिकों, भूगोल एवं पर्यावरणविदों को आमंत्रित करें जो कि विषय से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर सके।

पर्यटन, पर्यटन प्रबंधन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन, प्रबंधन एवं आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भी रोजगार/स्वरोजगार की असीम संभावनाएं है, अतः सुविधा होने पर इनके व्यवहारिक ज्ञान की जानकारी तथा Indian Institute of Forest Management के पाठ्यक्रमों की जानकारी दी जाये। भारत सरकार के फैशन टेक्नालॉजी के क्षेत्र में अपार संभावनाओं वाला संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नालॉजी की जानकारी भी इच्छुक विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जाना चाहिए।

माह–नवम्बर–2018

विश्वविद्यालयीन सेमेस्टर/वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में व्याख्यानों का आयोजन किया जाए। जिसमें वस्तुनिष्ठ, लघु एवं दीर्घ प्रश्नों के उत्तर किस प्रकार दिए जाएं ? किस प्रश्न के उत्तर में कितना लिखा जाए ?कैसा लिखा जाएं ? के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया जाए।

माह–दिसंबर–2018

माह दिसंबर में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेशित विधार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु जो कि स्नातक पूर्ण करने के बाद आयोजित होती है, के संबंध में जानकारी प्रदान की जाये तथा उनकी तैयारी अभी से ही किस प्रकार की जाये,पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाए ।

माह–जनवरी–2019

स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर कॅरियर सप्ताह मनाया जाए जिसमें व्यक्तिव विकास के विभिन्न आयामों के प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये जाये जिससे कॅपस प्लेसमेंट/कॅरियर अवसर मेले के दौरान विद्यार्थियों को रोजगार मिलने की संभावनाएँ बढ जायें। निर्देशानुसार चयनित महाविद्यालयों में कॅरियर अवसर मेले का आयोजन भी किया जाए। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के सहयोग से कुछ ऐसे व्याख्यान भी आयोजित किये जायें जिससे विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के साथ ही भारत सरकार व राज्य सरकार की अन्य स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी एवं स्वरोजगार स्थापना हेतु प्रेरणा एवं प्रशिक्षण प्राप्त हो सके। यह वहुत महत्वपूर्ण है, माननीय प्रधानमंत्री जी के अनुसार विकसित भारत के लिये युवाओं को उद्यमी बनाने की आवश्यकता है ।

माह–फरवरी–2019

सफल उद्यमियों से चर्चा, स्वरोजगार एवं उद्यमिता हेतु संकायवार विस्तृत व्याख्यान माह के प्रत्येक शनिवार को आयोजित किये जाएं। विद्यार्थियों को स्थानीय उद्योगों का भ्रमण करवाया जाए, जिन स्थानों पर बड़े उद्योग स्थापित नहीं हैं, वहाँ के विद्यार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण हेतु लघु, ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग में भ्रमण हेतु ले जाया जाए। यदि आपके नगर/क्षेत्र में कोई कॉलसेन्टर, रेडियो स्टेशन, वृहद सेवा प्रदाय संस्था, कला दीर्घा, साहित्य अकादमी भी हो, तो वहां पर भी इच्छुक विद्यार्थियों का भ्रमण कराया जा सकता है।

माह–मार्च–अप्रैल–2019

महाविद्यालय में अध्ययनरत स्नातक/स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थी जो प्रतियोगी परीक्षायें देना चाहते है, जैसे पीएससी, बैंक, बीमा, रेलवे, एसएससी, रक्षा सेवाएं कैट, मेट इत्यादि, उनके लिये इन परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित व्याख्यानों का आयोजन महाविद्यालय में किया जाए।

माह–मई–जून–2019

माह मई एवं जून में परीक्षाओं के कारण मार्गदर्शन कार्यकम स्थगित रहेंगे ।

विशेष –

01 माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशों के अनुरूप कॅरियर गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाना है उनकी मंशा अनुसार विद्यार्थियों में सकारात्मक विचार लाने, सामाजिक जिम्मेदारी का भाव लाने रोजगार के अवसरों की समझ बढ़ाने, पर्यावरण के प्रति जागरूक एवं कर्तव्यनिष्ठ बनाने की आवश्यकता है। अतः मोटिवेशन से संबंधित विशेषज्ञ/वक्ता/रोल मॉडल को आमंत्रित किए जाने की व्यवस्था उपलब्धता के आधार पर होनी चाहिए ताकि विद्यार्थी सकारात्मक विचार के साथ अपने कॅरियर के प्रति जागरूक बन सके।

02 प्रकोष्ठ प्रभारी/टी. पी. ओ/सदस्य को महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के केम्पस प्लेसमेंट हेतु सतत प्रयत्नशील रहना है। इस हेतु उन्हें रोजगार प्रदाताओं के संपर्क में रहना है तथा उनकी आवश्यकता के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार करते हुए प्लेसमेंट संबंधी पुनीत कार्य को भी संपन्न करते रहना है तथा मासिक प्रतिवेदन में इस बात का स्पष्ट उल्लेख करते हुए प्लेसमेंट देने वाली संस्था के नाम पते के साथ–साथ प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों की विस्तृत जानकारी योजना के कार्यालय को प्रेषित करना है। इसके साथ–साथ कॅरियर संबंधी विभिन्न गतिविधियों की सचित्र जानकारी (अधिकतम 2 डीजिटल फ़ोटोग्राफ, प्रिंट नहीं) भी प्रेषित करते रहना है।

03 विद्यार्थियों को रचनात्मक लेखन एवं सृजन के क्षेत्र में भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, इस क्षेत्र में भी आजीविका के लिए प्रचुर संभावनाएं है। यदि आपके क्षेत्र में कोई प्रसिद्ध व सम्मानित लेखक, कवि या रचनाकार है या ऐसे किसी व्यक्तित्व का दौरा आपके क्षेत्र में होता है तो रूचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए उनके साथ चर्चा/संस्मरण का आयोजन महाविद्यालय को अपनी सुविधानुसार करना चाहिए।

04 ऐसे महाविद्यालय जो ग्रामीण पृष्ठभूमि में है एवं जिन महाविद्यालयों में कृषि या कृषितर कार्यो से जुडे परिवारों के विद्यार्थी अध्ययनरत् है, वे महाविद्यालय रूचि रखने वाले विद्यार्थियों को कृषि

10 –

उपकरणों यथा वाटर पंप–मोटर, सीड़ ड्रील, स्प्रिकलर, ड्रीप इरीगेशन उपकरण के संस्थापन, रख–रखाव एवं मरम्मत की जानकारी के साथ–साथ जैविक खेती, उद्यानिकी, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती, वर्मी कम्पोस्ट आदि की जानकारी भी उपलब्ध करा सकते है। मूल रूप से आज भी हमारी अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान है, अतः हमें इन बातों पर भी ध्यान देना होगा।

05 कीडा के क्षेत्र में भी आजीविका के काफी अवसर मौजूद है, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के उपकमों में स्पोटर्स कोटा अंतर्गत। अतः महाविद्यालय में पदस्थ/कार्यरत् कीडा अधिकारी भी इच्छुक विद्यार्थियों को समय–समय पर कीडा के क्षेत्र में रोजगार संभावनाओं की जानकारी उपलब्ध कराकर उन्हे इस हेतु प्रोत्साहित कर सकते है।

06 कॅरियर कैलेण्डर की नियमित गतिविधियों के संचालन हेतु विद्यार्थियों से प्रवेश के समय लिये गये कॅरियर शुल्क का उपयोग किया जाना है।

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा भोपाल (म0प्र0)

कार्यालय निदेशक, स्वामी विवेकानन्द कॅरियर मार्गदर्शन योजना, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल (म.प्र.)
(192, एवीएन टावर, मेजनाइन फ्लोर, जोन–1, एम.पी. नगर, भोपाल, फोन नं. 0755–2550064)
E_mail :-hesvcgs@mp.gov.in

क्रमांक /252/ विवेकानंद / 2019 भोपाल, दिनांक 04.07.2019

प्रति,

प्राचार्य,
शासकीय महाविद्यालय (समस्त)
मध्य प्रदेश

ध्यानार्कषण :–प्रकोष्ठ प्रभारी, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना।
विषयः– वर्ष 2019–20 के लिये कॅरियर केलेण्डर तथा मासिक रिपोर्ट के प्रारूप बाबत्।

—00—

विषयान्तर्गत लेख है, कि स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के तहत नियमित कॅरियर गतिविधियों के संचालन हेतु वार्षिक कॅरियर कैलेण्डर तथा मासिक रिपोर्ट का प्रारूप संलग्न प्रेषित है।

अनुरोध है कि वार्षिक कॅरियर कैलेण्डर का अध्ययन महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, सह–प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान, अनुबंधित व्याख्यानदाता, ग्रंथपाल एवं कीडा अधिकारी भी करें, ऐसी व्यवस्था करने का कष्ट करें, ताकि वे भी अपनी रूचि एवं विशिष्ट योग्यता अनुसार इसके कियान्वयन में अमूल्य योगदान प्रदान कर सके।

समय–समय पर आयुक्त कार्यालय तथा विधानसभा में पूछे गये विभिन्न प्रश्नों में योजना से लाभांवित विद्यार्थियों की जानकारी मांगी जाती है। अतः कृपया नियमित रूप से कॅरियर कैलेण्डर के तहत संपन्न की गई मासिक गतिविधियों की जानकारी का संधारण महाविद्यालय के प्रकोष्ठ में भी करें तथा संलग्न प्रारूप में मासिक रिपोर्ट **प्रत्येक आगामी माह की पॉच तारीख** तक इस कार्यालय को आवश्यक रूप से मेल / डाक द्वारा प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

संलग्न :– कॅरियर कैलेण्डर 2019–20 तथा मासिक रिर्पोट प्रारूप।

(डॉ. आदित्य लूणावत)
निदेशक
स्वामी विवेकानन्द कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल

पृ0कमांक /253/ विवेकानंद / 2019 भोपाल, दिनांक 04.07.19

प्रतिलिपिः–

1. निज सचिव आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन, सतपुडा भवन भोपाल।
2. क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा समस्त संभाग म0प्र0 की ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु।
3. वि0क0अ0 आई टी सेल, कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा सतपुड़ा भवन, विभागीय वेबसाइड पर अपलोड करने हेतु अग्रेषित।

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा भोपाल (म0प्र0)

कार्यालय निदेशक, स्वामी विवेकानन्द कॅरियर मार्गदर्शन योजना, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल (म.प्र.)
(192, एवीएन टावर, मेजनाइन फ्लोर, जोन–1, एम.पी. नगर, भोपाल, फोन नं. 0755–2550064)
E_mail :-hesvcgs@mp.gov.in

मध्यप्रदेश के समस्त शासकीय महाविद्यालयों के लिए शैक्षणिक सत्र 2019–20 के लिए निर्धारित कॅरियर कार्यक्रम कैलेंडर माह जुलाई 2019

माह–जुलाई 2019

प्रवेश के समय प्रवेश समितियों के माध्यम से प्रथम वर्ष से लेकर सभी विद्यार्थियों का डेटाबेस संलग्न प्रोफार्मा में आवश्यक रूप से तैयार किया जाना सुनिश्चित किया जाए एवं इसे प्रत्येक वर्ष परीक्षा परिणाम घोषित होने के साथ ही अपडेट किया जाए ।

आरंभिक एवं शून्य कक्षाओं में विद्यार्थियों को जीवन में कॅरियर नियोजन के महत्व एवं इसके आयाम से परिचित करवाने हेतु व्याख्यानों का आयोजन किया जाए। इस हेतु महाविद्यालयीन प्राध्यापकों एवं उपलब्धता अनुसार बाहय विशेषज्ञों की सहायता ली जा सकती है। महाविद्यालय के प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापकों के माध्यम से कक्षावार विद्यार्थियों को स्वॉक विश्लेषण;ै़ व ।दंसलेपेद्ध का अभ्यास करवाया जाए ताकि वे अपनी क्षमता एवं रूचि को पहचान पायें।

माह–अगस्त 2019

विद्यार्थियों को कॅरियर के प्रति जागरूक बनाने हेतु सप्ताह के हर शनिवार को विशेषज्ञों की सहायता से संकायवार प्रेरणात्मक व्याख्यानों का आयोजन किया जाए तथा संबंधित संकाय में उपलब्ध कॅरियर अवसरों की अनिवार्यतः जानकारी दी जाए।

विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के उद्देश्यों एवं गतिविधियों की जानकारी दें तथा उन्हें कॅरियर कार्यकर्ता बनने हेतु प्रेरित करें। इससे विद्यार्थी समूह में कार्य करना, सम्प्रेषण कौशल, आत्मविश्वास, औपचारिक पहनावा एवं व्यक्तित्व निर्माण कर अपने आपको अधिक रोजगारोन्मुखी बना पायेगें। विगत वर्षो में कुछ शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों ने कॅरियर कार्यकर्ता बनकर प्रकोष्ठ को ज्यादा प्रभावी बनाने में सराहनीय योगदान दिया है। महाविद्यालयों की जानकारी के अनुसार कार्यकर्त्ता समूह के कई कॅरियर कार्यकर्ता प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से शासकीय सेवा, प्लेसमेंट एवं स्वव्यवसाय स्थापना एवं संचालन में सफल हो चुके हैं।

स्वतंत्रता दिवस पखवाडा के अंतर्गत भारत छोडो आंदोलन, स्वतंत्रता आंदोलन, एवं प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित नाटक, गीत, रंगोली, नृत्य मंचन आदि का आयोजन किया जाए जिससे विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना जागृत कर सेना में भर्ती होने के लिये प्रेरणा मिल सकें।

माह–सितम्बर 2019

रोजगार मूलकता बढ़ाने हेतु विद्यार्थियों को तर्कशक्ति प्रशिक्षण, गणितीय अभिक्षमता प्रशिक्षण, शब्द सार्मथ्य (वोकेबलरी), डेटा इन्टरप्रिटेशन तथा संप्रेषण कौशल इत्यादि के बारे में प्रशिक्षण दिया जाए ताकि केम्पस प्लेसमेंट के समय उनके एप्टिट्युड टेस्ट में सफल होने का प्रतिशत बढ़ सके। विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया जाए।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों से प्लेसमेंट बाबत् उनकी रूचि, रूझान एवं कौशल की जानकारी लिखित में प्राप्त की जाए तथा महाविद्यालय में इसका संधारण किया जाए। उक्त जानकारी लेते वक्त जिले, प्रदेश एवं देश में उपलब्ध रोजगार अवसरों, संस्थाओं की प्रोफाईल /जॉब प्रोफाईल की जानकारी भी विद्यार्थियों को दी जाए। प्लेसमेंट हेतु स्थानीय एवं बाह्यय रोजगार प्रदाताओं को आमंत्रित किया जाए। **प्रकोष्ठ की कॅरियर लायब्रेरी को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है, प्राचार्य तत्काल व्यक्तिगत रूचि लेकर अपने स्तर से इस हेतु कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें ताकि** अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके।

माह–अक्टूबर 2019

इस माह व्यक्तित्व विकास एवं समूह चर्चा (Group Discussion) की तैयारी, साक्षात्कार की तैयारी, नेतृत्व क्षमता विकास, प्रबंधन एवं औपचारिक पहनावा के प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये जायें जिससे विद्यार्थी एप्टीटयुड टेस्ट में सफल होकर विभिन्न कंपनियों में चयनित हो सकें। व्यावसायिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु संकायवार विशेषज्ञों को आमंत्रित कर विषय से संबंधित प्रेक्टिकल ट्रेनिंग दी जाए। इस प्रकार की ट्रेनिंग हेतु वाणिज्य संकाय में सीए, सीएस, आईसीडब्ल्यूए, टेक्स प्रेक्टिशनर, निवेश सलाहकार वाणिज्यिककर अधिकारी, आयकर अधिकारी, उद्यमिता विभाग आदि से प्रशिक्षकों को आमंत्रित किया जा सकता है। इसी तरह विज्ञान संकाय में वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर, पैरामेडिकल, प्योर साइंस के वरिष्ठ/सेवानिवृत्त प्राध्यापकों/विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जा सकता है। कला संकाय में व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु पत्रकार, अनुवादक, रेडियो जॉकी, एनजीओ, सिविल सेवा के अधिकारियों, राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, एनालिस्टों, मनोवैज्ञानिकों, भूगोल एवं पर्यावरणविदों को आमंत्रित करें जो कि विषय से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर सकें।

माह–नवम्बर 2019

निर्देशानुसार चयनित महाविद्यालयों में कॅरियर अवसर मेले का आयोजन भी किया जाए। सही प्रारूप में सी.वी./रिज्यूम बनाने का अभ्यास, कम्प्यूटर से परिचय, स्वयं की मेल आईडी बनाना तथा अध्ययन हेतु इंटरनेट का उपयोग इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जाए। व्यक्तिव विकास के विभिन्न आयामों के प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये जायें ताकि केंपस प्लेसमेंट/कॅरियर अवसर मेले के दौरान विद्यार्थियों को रोजगार मिलने की संभावनाएँ बढ़ जायें।

विधार्थियों को म.प्र. शासन एंव भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे कौशल विकास कार्यकम की जानकारी के साथ साथ उद्यमिता विकास कार्यक्रमों की जानकारी भी उपलब्ध करवाई जाए।

माह–दिसंबर 2019

माह दिसंबर में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं (स्नातक पूर्ण करने के बाद आयोजित होने वाली) के संबंध में जानकारी प्रदान की जाए तथा उनकी तैयारी किस प्रकार की जाए पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। निर्देशानुसार चयनित महाविद्यालयों में कॅरियर अवसर मेले का आयोजन भी किया जाए।

स्वतंत्रता दिवस की तरह ही झंडा दिवस पर भी विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना जागृत कर सेना में भर्ती होने के लिये प्रेरित करें।

माह–जनवरी 2020

निर्देशानुसार चयनित महाविद्यालयों में कॅरियर अवसर मेले का आयोजन भी किया जाए। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के सहयोग से कुछ ऐसे व्याख्यान भी आयोजित किये जायें जिससे विद्यार्थियों को केंद्र सरकार व राज्य सरकार की अन्य स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी, स्वरोजगार स्थापना हेतु प्रेरणा एवं प्रशिक्षण प्राप्त हो सके। पर्यटन, पर्यटन प्रबंधन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन, प्रबंधन एवं आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भी रोजगार/स्वरोजगार की असीम संभावनाएं है, अतः सुविधा होने पर इनके व्यवहारिक ज्ञान की जानकारी दी जाए।

Indian Institute of Forest Management के पाठ्यकमों की भी जानकारी दी जाए। फैशन टेक्नालॉजी के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं, इच्छुक विद्यार्थियों को भारत सरकार के संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नालॉजी भोपाल की जानकारी भी उपलब्ध करवाई जाना चाहिए।

गणतंत्र दिवस पर, विद्यार्थियों की कॅरियर गतिविधियों को प्रभावी ढंग से निखारने में विशेष योगदान देने वाले प्राध्यापकों एवं मुख्य कॅरियर कार्यकर्त्ताओं का प्राचार्य के माध्यम से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया जाए। इस हेतु कॅरियर निधि का प्रयोग किया जा सकता है।

माह–फरवरी 2020

माह के प्रत्येक शनिवार को सफल उद्यमियों से चर्चा, स्वरोजगार एवं उद्यमिता हेतु संकायवार विस्तृत व्याख्यान आयोजित किये जाएं। निर्देशानुसार चयनित महाविद्यालयों में कॅरियर अवसर मेले का आयोजन भी किया जाए।

विद्यार्थियों में उनकी रूचि के अनुसार विभिन्न कलाओं (नृत्य, संगीत, नाटक, चित्रकला, डिजाईनिंग, लेखन आदि) का भी विकास किये जाने की आवश्यकता है, अतः संक्षिप्त में इनका भी परिचय दिया जाना चाहिए। यदि महाविद्यालय में इनसें संबंधित प्राध्यापक हों या आपके क्षेत्र में ऐसे लेखक, कवि, रचनाकार, कलाकार या सेवानिवृत्त व्यक्ति हो तो उनके व्याख्यान करवाए जा सकते हैं।

माह–मार्च–अप्रैल 2020

महाविद्यालय में अध्ययनरत स्नातक/स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थी जो प्रतियोगी परीक्षायें (पीएससी, बैंक, बीमा, रेलवे, एसएससी, रक्षा सेवाएं कैट, मेट इत्यादि,) देना चाहते है, के लिये महाविद्यालय में इन परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित व्याख्यानों का आयोजन किया जाए।

माह–मई–जून 2020

माह मई एवं जून में परीक्षाओं के कारण मार्गदर्शन कार्यक्रम स्थगित रहेंगे।

महत्वपूर्ण बिंदु

01 प्रत्येक महाविद्यालय में एक **कॅरियर** बोर्ड एवं कॅरियर मैग्जीन का होना सुनिश्चित किया जाये।

02 प्रदेश के सभी जिलों के **चयनित महाविद्यालयों में माह नवंबर 2019 से फरवरी 2020 के मध्य कॅरियर अवसर मेलों का आयोजन किया जाएगा। समस्त महाविद्यालय अपने जिले में आयोजित होने वाले कॅरियर अवसर मेलों की संपूर्ण जानकारी एवं आयोजन तिथि, संबंधित आयोजक महाविद्यालय से प्राप्त कर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ताकि इच्छुक विद्यार्थियों को कॅरियर अवसर मेलों एवं प्लेसमेंट का लाभ प्राप्त हो सकें**

03 कॅरियर गतिविधियों को परिणाममूलक बनाने के लिए विद्यार्थियों में सकारात्मक विचार लाने, रोजगार के अवसरों की समझ बढ़ाने, सामाजिक जिम्मेदारी का भाव लाने, पर्यावरण के प्रति जागरूक एवं कर्तव्यनिष्ठ बनाने की आवश्यकता है। अतः मोटिवेशनल विशेषज्ञ/वक्ता /रोल मॉडल को महाविद्यालय में व्याख्यान हेतु आमंत्रित करें ताकि विद्यार्थी सकारात्मक विचार के साथ अपने कॅरियर के प्रति जागरूक बन सकें।

04 प्रकोष्ठ प्रभारी/टी.पी.ओ को महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के केम्पस प्लेसमेंट हेतु सतत प्रयत्नशील रहना है। इस हेतु उन्हें रोजगार प्रदाताओं के संपर्क में रहना है तथा उनकी आवश्यकता के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार करते हुए प्लेसमेंट संबंधी पुनीत कार्य को भी संपन्न करते रहना है। मासिक प्रतिवेदन में प्लेसमेंट देने वाली संस्था के नाम एवं पते के साथ–साथ प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों की विस्तृत जानकारी योजना के कार्यालय को प्रेषित करें। इसके साथ–साथ कॅरियर संबंधी विभिन्न गतिविधियों की सचित्र जानकारी (अधिकतम 2 डीजिटल फोटोग्राफ, प्रिंट नहीं) भी प्रेषित करें।

05 विद्यार्थियों को रचनात्मक लेखन एवं सृजन के क्षेत्र में भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, इस क्षेत्र में भी आजीविका के लिए प्रचुर संभावनाएं है। यदि आपके क्षेत्र में कोई प्रसिद्व व सम्मानित लेखक, कवि या रचनाकार है या ऐसे किसी व्यक्तित्व का दौरा आपके क्षेत्र में होता है तो रूचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए उनके साथ चर्चा/संस्मरण का आयोजन महाविद्यालय को अपनी सुविधानुसार करना चाहिए।

06 मूल रूप से आज भी हमारी अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान है, अतः जो महाविद्यालय ग्रामीण पृष्ठभूमि में हैं एवं जहाँ कृषि या कृषितर कार्यो से जुड़े परिवारों के विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं, ऐसे महाविद्यालय रूचि रखने वाले विद्यार्थियों को कृषि उपकरणों यथा वाटर पंप–मोटर, सीड़ ड्रील, स्प्रिकलर, ड्रीप इरीगेशन उपकरण के संस्थापन, रख–रखाव एवं मरम्मत की जानकारी के साथ–साथ जैविक खेती, उद्यानिकी, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती, वर्मी कम्पोस्ट आदि की जानकारी/प्रशिक्षण भी उपलब्ध करायें।

07 क्रीड़ा के क्षेत्र में भी आजीविका के काफी अवसर मौजूद है, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के उपकमों में स्पोटर्स कोटा अंतर्गत। अतः महाविद्यालय में पदस्थ/कार्यरत् क्रीड़ा अधिकारी भी इच्छुक विद्यार्थियों को समय–समय पर क्रीड़ा के क्षेत्र में रोजगार संभावनाओं की जानकारी उपलब्ध कराकर उन्हें इस हेतु प्रोत्साहित करें तो और बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकेंगें ।

08 कॅरियर कैलेण्डर की नियमित गतिविधियों के संचालन हेतु विद्यार्थियों से प्रवेश के समय लिये गये कॅरियर शुल्क का उपयोग किया जाना है।

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा भोपाल (म0प्र0)

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की मासिक रिपोर्ट का प्रारूप

महाविद्यालय का नाम.. जिला......................................

फोन नंबर एसटीडी कोड सहित...प्रकोष्ठ प्रभारी का नाम ....

मोबाईल नं.......................................ई–मेल आईडी...

महाविद्यालय का जावक क...दिनांक...................................

प्रति,

निदेशक,
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना,
भोपाल (म0प्र0)

विषय :– माह.......................................सत्र–...............................की मासिक कॅरियर रिर्पोट प्रेषण बावत।

माह–.......................................में आयोजित कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों हेतु संधारित रजिस्टर के आधार पर निम्नानुसार जानकारी आपकी ओर प्रेषित हैं ।

//प्रपत्र//

क्र.	दिनांक	मार्गदर्शन का विषय	विषय विशेषज्ञ/ मार्गदर्शन देने वाले का नाम, पद मोबाइल नंबर	लाभान्वित विद्यार्थियों की वर्ग अनुसार संख्या									
				SC		ST		OBC		GEN		TOTAL	
				M	F	M	F	M	F	M	F	M	F
1													
2													
3													
		कुल योग											

प्लेसमेंट की जानकारी

क्र.	विद्यार्थियों के नाम	प्लेसमेंट की तिथि	रोजगार प्रदाता का नाम, पता एवं अधिकृत ईमेल आईडी	वेतन	रिमार्क
1					
2					

प्रकोष्ठ प्रभारी का नाम एवं हस्ताक्षर
मोबाईल नं ....

प्राचार्य के हस्ताक्षर
मोबाईल नं ....

नोटः– कृपया इस रिपोर्ट के साथ अलग से कवरिंग पत्र न लगाएं तथा उक्त रिपोर्ट इस कार्यालय की E-mail- hesvcgs@mp.gov.in पर ही मेल करें ।

/ क्रमांक - 198/SVCGS/2020

निदेशक
स्वामी विवेकानन्द कैरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा,म.प्र.शासन,भोपाल

दिनांक: 27-10-2020

समस्त प्राचार्य
शासकीय एवं अनुदान प्राप्त महाविद्यालय
मध्यप्रदेश

विषय : स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के वार्षिक (सत्र 2020-21) कार्यक्रम की रूपरेखा।

आप को ज्ञात है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 घोषित हो चुकी है और हमारे प्रदेश में भी जल्द लागू करने की घोषणा मा. मुख्यमंत्री जी कर चुके हैं।

not required स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजना है। उच्च शिक्षा विभाग भी इस योजना पर बहुत गंभीर है। इसे बहुआयामी बनाने के साथ सभी विद्यार्थियों तक पहुँचाना है। उच्च शिक्षा विभाग 'आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश' बनाने में सहयोगी भूमिका निभाने के लिए **आउट पुट-इंडिकेटर-4** के साथ चयनित महाविद्यालयों में जल्द ही (P&E) placement and entrepreneurship योजना लागू करने जा रहा है।

शासन द्वारा राज्य स्तर पर 'व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ' को स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना में सम्मिलित कर दिया गया है, अत: दोनों के कैलेंडर एक साथ हैं।

यह योजना महाविद्यालयों में चल रही 'शिक्षक-अभिभावक' योजना के माध्यम से कक्षाओं में संचालित की जायेगी, ताकि योजना का लाभ प्रत्येक विद्यार्थी को प्राप्त हो सके।

योजनान्तर्गत गतिविधियों का आयोजन कार्यक्रम ऑनलाइन/ऑफलाइन कक्षाओं के बाद प्रति सप्ताह किसी एक दिन सुविधा अनुसार किया जाये। जिसमें विद्यार्थिओं की उपस्थिति का अभिलेख अनिवार्य रूप से रखा जाए। साथ ही विद्यार्थियों को **कैरियर मित्र** बनने हेतु प्रेरित किया जाए, जिससे विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास हो सके।

प्रत्येक महाविद्यालय में न्यूनतम एक कैरियर बोर्ड एवं कैरियर मैग्जीन का होना सुनिश्चित किया जाये। प्रवेशित (प्रथम वर्ष से लेकर पी.जी.तक के सभी) विद्यार्थियों का डाटाबेस अनिवार्य रूप से तैयार किया जाए, जिससे प्रत्येक वर्ष परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद उनके रोजगार की स्थिति को देखा जा सके।

कैरियर गतिविधियों के संचालन के लिये विद्यार्थियों से लिये गये कैरियर शुल्क का उपयोग किया जाना है। शेष शुल्क की जानकारी स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना, भोपाल कार्यालय को प्रति वर्ष अप्रैल में दी जाये। जिन महाविद्यालयों की गत वर्ष की शुल्क की जानकारी अभी तक नहीं आई है, वे सुनिश्चित करें की जानकारी शीघ्र पहुंचे।

~~संलग्न~~ कैलेंडर की छायाप्रति सभी प्राध्यापकों, सह प्राध्यापकों, सहायक प्राध्यापकों और अतिथि विद्वानों को उपलब्ध कराई जाये। कैलेंडर का परिणामकारी क्रियान्वयन प्राचार्य गण सुनिश्चित करें। अतिरिक्त संचालक गण समय-समय पर जानकारी प्राप्त कर योजना के माध्यम से शासन को अवगत कराएं।

आयुक्त
उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश

पृष्ठांकन क्रमांक -/ 199 /विवेकानंद /2020 भोपाल, दिनांक - 27/10/2020

प्रतिलिपि -

१. निज सचिव, प्रमुख सचिव, उ.शि. विभाग ,मध्यप्रदेश शासन , मंत्रालय ,भोपाल।
२. निज सचिव ,अपर संचालक, उ. शि.विभाग, सतपुड़ा भवन, भोपाल।
३. क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उ. शि. समस्त संभाग, मध्यप्रदेश की ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु।
४. वि .क .अ .आई टी सेल, कार्यालय आयुक्त, उ. शि.विभाग, सतपुड़ा भवन, भोपाल विभागीय वेब साइट पर उपलोड करने हेतु।

आयुक्त ,उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग

(मध्यप्रदेश के समस्त शासकीय एवं अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के लिए-शैक्षणिक सत्र 2020-21 का निर्धारित कॅरियर कैलेंडर)

नवंबर-2020

स्नातक- प्रथम वर्ष- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय : व्यक्तिगत रुचि की जानकारी एकत्र करना विद्यार्थियों का डाटाबेस तैयार करना।
अच्छा कॅरियर कैसे बनाएं? राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, तथा भारत का भौगोलिक परिचय।
बोधवाक्य- "बार-बार प्रयत्न करने से असंभव भी संभव हो जाता है।" - योगवशिष्ठ

द्वितीय वर्ष- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का परिचय। विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की जानकारी। विकासजन्य पर्यावरणीय समस्यायें और समाधान।
बोधवाक्य- " परिश्रम, परिश्रम और परिश्रम ही सफलता का मूलमंत्र है। जो मनुष्य परिश्रम से भागता है, वह कभी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता।" -स्वामी विवेकानन्द

तृतीय वर्ष- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का परिचय। आत्मनिर्भरता के सुगम सोपान - कुटीर उद्योग। अपने नगर/ जिले के प्रमुख औद्योगिक/लघु औद्योगिक इकाइयों की जानकारी। जल ही जीवन है।
सुभाषित- अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशोबलम् ।।
अर्थात- जो व्यक्ति अभिवादनशील (विनम्र) होते हैं, बुजुर्गों की सेवा / सम्मान करनेवाले होते हैं। उनकी आयु, विद्या, कीर्ति और बल में सदैव वृद्धि होती है।

स्नातकोत्तर- *पूर्वार्ध :* गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का परिचय। भारत का सांस्कृतिक परिचय। म.प्र. के पर्यटन स्थलों का परिचय एवं पर्यटन से जुड़े रोजगार के विविध अवसर।
बोधवाक्य- 'आत्मसम्मान आत्मनिर्भरता के साथ आता है'
'भगवान ने हमारे मस्तिष्क और व्यक्तित्व में असीमित शक्तियां दी हैं। ईश्वर की प्रार्थना इन शक्तियों को विकसित करने में हमारी सहायता करती है।" -डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम

उत्तरार्ध- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का परिचय। कोविड 19 काल में सेवा एवं स्वरोजगार के अवसर। योग और स्वास्थ्य। भारतीय संविधान में हमारे मौलिक कर्तव्य।
बोधवाक्य- "हम यह प्रार्थना न करें कि हमारे ऊपर समस्या न आये बल्कि यह प्रार्थना करें कि हम उसका सामना निडरता से कर सकें।"-रवीन्द्रनाथ टैगोर

दिसम्बर-2020

प्रथम वर्ष- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: - उद्यम स्थापना पूर्व की तैयारियां, नैतिक शिक्षा और उसका महत्व, मातृभाषा का जीवन में महत्व, ड्राप आउट की समस्या और निदान।
सुभाषित- विद्वत्वं च नृपत्वं च नैव तुल्यंकदाचन् ।
स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान्सर्वत्र पूज्यते।। **अर्थात-** विद्वत्ता और राजत्व की तुलना कभी नहीं की जा सकती, राजा को तो अपने राज्य में ही सम्मान मिलता है पर विद्वान का सम्मान सर्वत्र होता है।

27/10/20

द्वितीय वर्ष- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: ग्रामीण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता एवं स्वावलम्बन के अवसर। अध्ययन संबंधी कठिनाइयों के निराकरण हेतु मेधावी विद्यार्थियों और कमजोर विद्यार्थियों के बीच संवाद। प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निबंध लेखन-प्रतियोगिता का आयोजन।

सुभाषित- "पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलमन्नं सुभाषितम्।
मूढैःपाषाण खण्डेषु रत्नसंज्ञा प्रदीयते" ।। **अर्थात्-** पृथ्वी पर तीन ही रत्न हैं जल, अन्न और अच्छे वचन, फिर भी मूर्ख जन पत्थर के टुकड़ों को रत्न मानते हैं।

तृतीय वर्ष- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: भारत का वैश्विक परिचय, स्नातक उपाधि के पश्चात् रोजगार के अवसर, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें? सामान्य ज्ञान आधारित प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन। मध्यप्रदेश का भौगोलिक परिचय।

सुभाषित- पतितोऽपिकराघातैरुत्पतत्येव कन्दुकः।
प्रायेण साधुवृत्तानां स्थायिन्योविपत्तयः।। **अर्थात्-** जैसे हाथ की पटकी हुई गेंद भी भूमि पर गिरने के बाद ऊपर की ओर उठती है, वैसे ही सज्जनों का बुरा समय थोड़े समय के लिए ही होता है।

स्नातकोत्तर, पूर्वार्ध- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: स्नातकोत्तर पश्चात स्वरोजगार एवं रोजगार के विविध अवसर। कुटीर एवं कृषि आधारित उद्योगों के अंतर्गत स्वरोजगार एवं रोजगार के अवसर। भारत की सांस्कृतिक एकता। मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थल।

9424384438 prin.

सुभाषित- उदितेसवितारक्तो रक्तश्चास्तमये तथा।
संपत्तौ च विपत्तौ च महतां एकरूपता ।। **अर्थात्-** उदय एवं अस्त होते समय सूर्य का रंग लाल ही रहता है, ठीक इसी तरह महापुरुषों की मनःस्थिति भी सम्पत्ति और विपत्ति में एक जैसी ही रहती है।

उत्तरार्ध- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: उच्च शिक्षा एवं शोध में रोजगार के विविध अवसर। शोध पूर्व की तैयारी। उद्यमिता और रोजगार। शिक्षक बनने की तैयारी कैसे करें। व्यक्तित्व का समग्र विकास-बौद्धिक और आध्यामिक विकास के सोपान।

सुभाषित- मूर्खस्य पंच चिह्नानि गर्वोदुर्वचनं तथा।
क्रोधश्च दृढवादश्च परवाक्येषु अनादरः।। **अर्थात्-** मूर्खों के पांच लक्षण हैं- अहंकार, अपशब्द, क्रोध, हठ और दूसरों की बात का अनादर।

जनवरी-2021

प्रथम वर्ष- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: रोजगारोन्मुखी विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी। उद्यमिता एवं नैतिकता। आलस्य मनुष्य का परम शत्रु है। भारत की पवित्र नदियों का परिचय।

बोधवाक्य- "आलसी और अकर्मण्य मनुष्य के सौ वर्ष के जीवन की तुलना में दृढ़तापूर्वक उद्योग करने वाले का एक दिन का जीवन श्रेष्ठ है।" -महात्मा बुद्ध

द्वितीय वर्ष- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: -सामान्य ज्ञान आधारित प्रश्न-मंच प्रतियोगिता का आयोजन। मध्यप्रदेश के उद्योगों का परिचय और उनमें रोजगार की संभावनाएं। कोरोना काल की सीख। हमारा नागरिकता बोध।

सुभाषित- और यह क्या तुम सुनते नहीं विधाता का मंगल वरदान।
शक्तिशाली हो विजयी बनो विश्व में गूंज रहा जय गान।। -कामायनी

27/10/20

तृतीय वर्ष– गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: हिन्दी–अंग्रेजी भाषिक दक्षता एवं रोजगार। द्विभाषिए की भूमिका और रोजगार के अवसर। मणिपुरी/ नागामीज भाषाओं के गीतों की प्रतियोगिता का आयोजन– (विशेष सन्दर्भ: एक भारत श्रेष्ठ भारत।)

सुभाषित– उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः ।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखेमृगाः ।। **अर्थात्–** कठिन परिश्रम से ही सफलता प्राप्त होती है, केवल इच्छा मात्र से नहीं, जैसे कोई हिरन स्वयं चलकर सिंह के मुंह में नहीं चला आता, इसके लिए सिंह को अथक परिश्रम करना पड़ता है।)

स्नातकोत्तर, पूर्वार्ध– गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: साक्षात्कार की तैयारी। रोजगार चुनने की सतर्कता। संप्रेषण कौशल। जीवन–कौशल एवं अभिप्रेरणात्मक व्याख्यान।
बोधवाक्य– "जो व्यक्ति एक स्कूल खोलता है, वह संसार का एक जेलखाना बंद कर देता है।" -विक्टर ह्यूगो

उत्तरार्ध– गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: सी.व्ही. (रिज्यूम) कैसे बनायें। विभिन माध्यमों से रोजगार समाचारों की जानकारी प्राप्ति के उपाय। व्यक्तित्व विकास के विविध आयाम। मातृभाषा एवं क्षेत्रीय भाषायें हमारी अस्मिता की प्रतीक हैं।

सुभाषित– सहसा विदधीत न क्रियाम् अविवेकःपरमापदांपदम् ।
वृणते हि विमृष्यकारिणं गुणलुब्धाःस्वयमेव संपदः ।। -भारवि

अर्थात्– अचानक बिना सोचे–समझे कोई कार्य नहीं करना चाहिए क्योंकि विवेक शून्यता ही विपत्तियों का घर होती है। जो व्यक्ति सोच–समझ कर कार्य करता है, सम्पत्तियां उसके प्रति स्वयमेव आकृष्ट हो जाती हैं।)

फरवरी–2021

प्रथम वर्ष– गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: तकनीकी कौशल–रोजगार प्राप्ति हेतु सरल उपाय। मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य का आधार योग एवं प्राणायाम। मध्यप्रदेश की रबी और खरीफ फसलों की जानकारी। मणिपुर / नागालैण्ड का सांस्कृतिक परिचय (विशेष सन्दर्भ– एक भारत श्रेष्ठ भारत)
बोध वाक्य– "एक विचार को लो, उसी के बारे में सोचो। अपने मस्तिष्क, मांसपेशियों, स्नायुओं और शरीर के प्रत्येक भाग को उसी पर केन्द्रित कर दो, यही सफलता का मार्ग है।" –स्वामी विवेकानन्द

द्वितीय वर्ष– गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: रचनात्मक लेखन और रोजगार। मध्यप्रदेश में फिल्म उद्योग की सम्भावनायें और रोजगार के अवसर हेतु हमारी तैयारी। पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका। नेतृत्व क्षमता विकास। स्वदेशी की अवधारणा ।
बोध वाक्य– "यदि आप अपने कर्तव्य को सेल्यूट करते हैं तो आपको किसी और को सेल्यूट करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, लेकिन यदि आप अपने कर्तव्य को सेल्यूट नहीं करेंगे तो आपको हर किसी को सेल्यूट करना पड़ेगा।"- डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम

तृतीय वर्ष– गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: जीवन में उद्यमिता का महत्व। सफल उद्यमियों के प्रेरक प्रसंग। लघु और कुटीर उद्योगों का परिचय और स्वावलंबन / रोजगार के अवसर। मणिपुर / नागालैण्ड / मध्यप्रदेश के युवाओं की तरंग (वेव) गोष्ठी का आयोजन *(विशेष सन्दर्भ, एक भारत श्रेष्ठ भारत के अन्तर्गत युग्म राज्यों के युवाओं की अध्ययन यात्रा के अनुभव) ।*
बोध वाक्य– "न दैन्यं न च पलायनम्।"- महाभारत, अर्थात्– जीवन में न तो दीनता का प्रदर्शन करना चाहिए न ही अपने दायित्वों से पलायन करना चाहिये।

स्नातकोत्तर, पूर्वार्ध– गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: सफल उद्यमियों के व्याख्यान। विविध कलायें एवं रोजगार। जीवन कल्पवृक्ष है।

27/10/20
निदेशक
स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना
उ.शि. भोपाल

बोधवाक्य- "आत्मनियंत्रण करो, ईश्वरीय शक्तियां तुम्हारी दासी बन जायेंगी।" -स्वामी विवेकानन्द

उत्तरार्ध- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: व्यावसायिक परीक्षा की तैयारी कैसे करें? सफलता का मूलमंत्र: अखंड पुरुषार्थ।

बोधवाक्य- " किसी ध्येय की प्राप्ति के लिए परिश्रम करना पड़ता है, ध्येय की प्राप्ति अपने आप कदापि नहीं हो सकती।" -लोकमान्य तिलक

मार्च-2021

प्रथमवर्ष- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: स्वरोजगार एवं उद्यमिता आधारित संकाय वार व्याख्यानों का आयोजन। स्वस्थ जीवन शैली।

सुभाषित - क्षणशः कणशश्चैव विद्यामर्थं च साधयेत् ।
क्षणत्यागे कुतोविद्या कणत्यागे कुतो धनम्।।

अर्थात्- एक-एक क्षण का उपयोग करके विद्या अर्जित की जाती है तथा एक-एक कण अर्जित करके धन संचित किया जाता है। क्षण का दुरुपयोग करने से विद्या प्राप्त नहीं की जा सकती तथा कण को नष्ट करने से धन संचित नहीं किया जा सकता।

द्वितीय वर्ष- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: -सामान्य ज्ञान आधारित प्रश्नमंच (संकायवार)। गांधी की नैतिक दृष्टि।

सुभाषित- "जननी जन्मभूमिश्चस्वर्गादपि गरीयसी।"-महर्षि वाल्मीकि, **अर्थात्**- जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़ कर हैं।

तृतीय वर्ष- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: हिन्दी-अंग्रेजी भाषिक दक्षता आधारित विविध व्यवसाय। अनुवाद और रोजगार। आत्मनिर्भरता की अवधारणा।

सुभाषित- प्रारभ्यते न खलुविघ्न भयेन नीचैः प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः।
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमाना प्रारभ्य च उत्तमजनाः न परित्यजन्ति ।।

अर्थात्- निम्न प्रकृति के लोग विघ्नों के भय से कार्य प्रारम्भ ही नहीं करते, मध्यम प्रकृति के लोग कार्य प्रारम्भ तो कर देते हैं लेकिन विघ्नों के आने पर उसे बीच में ही अधूरा छोड़ देते हैं लेकिन उत्तम प्रकृति के लोग यदि कार्य प्रारम्भ करते हैं तो बार-बार विघ्नों के आने पर भी उसे अधूरा नहीं छोड़ते,पूरा करके ही मानते हैं।

स्नातकोत्तर-पूर्वार्ध- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: अनुवाद कॅरियर का एक बेहतर विकल्प। भारतीय संस्कृति की अवधारणा।

सुभाषित - अलसस्य कुतोविद्या अविद्यस्य कुतोधनम् ।
अधनस्य कुतोमित्रम् अमित्रस्य कुतोसुखम् ।।

अर्थात्- आलसी व्यक्ति विद्या प्राप्त नहीं कर सकता, विद्याहीन धन प्राप्त नहीं कर सकता, धनहीन को मित्र प्राप्त नहीं हो सकते और मित्र हीन को सुख प्राप्त नहीं हो सकता।

उत्तरार्ध- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: - विषेषज्ञों के माध्यम से विभिन्न कॅरियर विकल्पों पर व्याख्यान (संकायवार)। व्यक्तित्व निर्माण का आधार मातृभाषा। नैतिक मूल्य और स्वदेशी संस्कृति।

सुभाषित- न चौरहार्यं न च राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् ।।

अर्थात्- विद्या को न चोर चुरा सकता है न राजा इसका हरण कर सकता है, न भाई इसे बांट सकता है, और न यह भार स्वरूप होती है, यह व्यय करने पर निरंतर बढ़ती है, इस प्रकार विद्या का धन सभी धनों में श्रेष्ठ है।

27/10/20
निदेशक
स्वामी विवेकानन्द कॅरियर मार्गदर्शन योजना

अप्रैल-2021

प्रथम वर्ष- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: -सत्र के दौरान आयोजित की गई रोजगार संबंधी गतिविधियों / व्याख्यानों/ व्यक्तित्व विकास संबंधी व्याख्यानों की समीक्षा एवं विद्यार्थियों का अभिमत प्राप्त करना।

सुभाषित- पुस्तकस्था तु या विद्या परहस्तगतं धनम्।
कार्यकाले समुत्पन्ने न सा विद्या न तद् धनम्।।

अर्थात्- पुस्तक में लिखी हुई विद्या, दूसरे के हाथ में गया हुआ धन, आवश्यकता पड़ने पर ये दोनों काम नहीं आते।

द्वितीय वर्ष- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: - सत्र के दौरान आयोजित की गई रोजगार संबंधी गतिविधियों /व्याख्यानों /व्यक्तित्व विकास संबंधी व्याख्यानों की समीक्षा एवं विद्यार्थियों का अभिमत।

सुभाषित- यः पठति लिखति पश्यति परिपृच्छति पंडितान् उपाश्रयति ।
तस्य दिवाकरकिरणैः नलिनीदलं इव विस्तारितावुद्धिः।।

अर्थात्- जो पढ़ता है, लिखता है, देखता है और प्रश्न पूछता है, बुद्धिमानों का सहारा लेता है, उसकी बुद्धि उसी प्रकार विकसित होती है जैसे सूर्य की किरणों से कमल की पंखुडियां विकसित होती हैं।

तृतीय वर्ष- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: सत्र के दौरान आयोजित की गई रोजगार संबंधी गतिविधियों / व्याख्यानों /व्यक्तित्व विकास संबंधी व्याख्यानों की समीक्षा एवं विद्यार्थियों का अभिमत।

सुभाषित- नाभिषेको न संस्कारः सिंहस्य क्रियतेमृगैः ।
विक्रमार्जित राज्यस्य स्वयमेव मृगेंद्रता।।

अर्थात्- वन में सिंह का कोई राज्याभिषेक नहीं करता है,वह अपने पराक्रम और कौशल से ही स्वयं राजत्व को प्राप्त कर लेता है।

स्नातकोत्तर, पूर्वार्ध- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: सत्र के दौरान आयोजित की गई रोजगार संबंधी गतिविधियों / व्याख्यानों /व्यक्तित्व विकास संबंधी व्याख्यानों की समीक्षा एवं विद्यार्थियों का अभिमत।

सुभाषित- गत शोको न कर्तव्यो भविष्यं नैव चिन्तयेत् ।
वर्तमानेन कालेन वर्तयन्ति विचक्षणाः।।

अर्थात्- जो बीत गया है, उसका शोक नहीं करना चाहिए और न ही भविष्य की चिन्ता में लगे रहना चाहिए। जो वर्तमान काल के बारे में ही सोचता है, वही बुद्धिमान है।

उत्तरार्ध- गतिविधियां एवं व्याख्यान के विषय: सत्र के दौरान आयोजित की गई रोजगार संबंधी गतिविधियों / व्याख्यानों /व्यक्तित्व विकास संबंधी व्याख्यानों की समीक्षा एवं विद्यार्थियों का अभिमत।

सुभाषित- अष्टौगुणाःपुरुषं दीपयंति प्रज्ञासुशीलत्व दमौश्रुतं च ।
पराक्रमश्च बहुभाषिता च दानं यथाशक्ति कृतज्ञता च ।।

अर्थात्- बुद्धि, शील, आत्मनियंत्रण, अध्ययन, साहस, बहुभाषाज्ञान, यथाशक्ति दान और कृतज्ञता ये आठ गुण व्यक्तित्व को निखारते हैं।

नोट-

1. सभी विद्यार्थियों को सुभाषित और बोध वाक्यों का मर्म समझाते हुए, इनको कंठस्थ भी कराएं।
2. 24 नवम्बर को गुरु तेगबहादुर के शहीदी दिवस के अवसर पर सभी कक्षाओं में कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन / ऑफलाइन किया जाये। इसी तरह प्रत्येक माह में पड़ने वाले महापुरुषों के जन्म-जयंती के अवसर पर भाषण/ निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताएं भी कराई जानी चाहिये।

27/10/20

निदेशक

स्वामी विवेकानन्द कॅरियर मार्गदर्शन योजना

महत्वपूर्ण सूचनाएं-

१. शासन द्वारा राज्य स्तर पर व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ को स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना में सम्मलित कर दिया गया है, अत: दोनों के कैलेंडर एक साथ हैं।

२. इस वर्ष से यह योजना 'शिक्षक-अभिभावक' के माध्यम से कक्षाओं में संचालित की जाएगी, ताकि योजना का लाभ प्रत्येक विद्यार्थी को प्राप्त हो सके।

३. कार्यक्रम ऑनलाइन/ऑफलाइन कक्षाओं के बाद प्रति सप्ताह एक दिन सुविधा अनुसार आयोजित किये जायें। आवश्यकता पड़ने पर कार्यक्रम अवकाश के दिन भी स्थान एवं परिस्थिति के अनुसार सम्पन्न कराये जा सकते हैं। विद्यार्थिओं की उपस्थिति अनिवार्य रूप से रखी जाए।

४. प्रवेशित (प्रथम वर्ष से लेकर पी.जी. तक के सभी) विद्यार्थियों का डाटाबेस निर्धारित प्रोफार्मा में तैयार किया जाना सुनिश्चित किया जाए एवं इसे प्रत्येक वर्ष परीक्षा परिणाम घोषित होने के साथ ही अपडेट किया जाए।

५. बाह्य विशेषज्ञों की सहायता हेतु भोपाल कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। महाविद्यालय के प्राध्यापक / सहायक प्राध्यापकों को भी रुचि अनुसार किसी एक विषय पर अपनी दक्षता का विकास करना चाहिए, जिससे उनका बाह्य विशेषज्ञ के रूप में लाभ लिया जा सके।

६. विद्यार्थियों को कैरियर मित्र बनने हेतु प्रेरित किया जाए, कैरियर मित्र विद्यार्थियों के व्हाट्स एप समूह तैयार किये जायें। इन गतिविधियों से विद्यार्थी समूह में कार्यकरना सीखेंगे तथा उनमें सम्प्रेषण कौशल और आत्मविश्वास का निर्माण होगा।

७. प्रत्येक महाविद्यालय में न्यूनतम एक कैरियर बोर्ड एवं कैरियर मैग्जीन का होना सुनिश्चित किया जाये। कैरियर मार्गदर्शन का एक पृथक कक्ष तैयार किया जाए, जिसमें विद्यार्थी जानकारी प्राप्त कर सकें।

८. आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश को दृष्टिगत रखते हुये जो महाविद्यालय ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं एवं जहाँ कृषि या कृषितर कार्यो से जुड़े परिवारों के विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं, ऐसे महाविद्यालय इन कार्यों में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को कृषि उपकरणों यथा- वाटरपंप-मोटर, सीड-ड्रिल, स्प्रिंकलर, ड्रिप-इरीगेशन उपकरण के संस्थापन, रख-रखाव एवं मरम्मत की जानकारी के साथ-साथ जैविक खेती, उद्यानिकी, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती, वर्मी कम्पोस्ट आदि की जानकारी/प्रशिक्षण भी उपलब्ध करायें।

९. क्रीडा के क्षेत्र में भी आजीविका के अवसर मौजूद है (विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में स्पोर्ट्स कोटा अंतर्गत)। अत: महाविद्यालय में पदस्थ/कार्यरत् क्रीडा अधिकारी भी इच्छुक विद्यार्थियों को समय-समय पर क्रीडा के क्षेत्र में रोजगार संभावनाओं की जानकारी उपलब्ध कराकर उन्हें इस हेतु प्रोत्साहित करेंगे तो बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकेंगे।

१०. कैलेण्डर में उल्लेखित विषयों/गतिविधियों के अतिरिक्त भी महाविद्यालय की क्षमता/संसाधन/ आवश्यकता/परिस्थिति के अनुरूप संकायवार संबंधित अन्य विषयों/क्षेत्रों के विशेषज्ञों को भी सम्मिलित करके महाविद्यालयों में संचालित कैरियर गतिविधियों को अधिक परिणाम मूलक बनाया जा सकता है।

११. कैरियर गतिविधियों के संचालन के लिये विद्यार्थियों से लिये गये कैरियर शुल्क का उपयोग किया जाना है। शेष शुल्क की जानकारी स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना, भोपाल कार्यालय को प्रति वर्ष अप्रैल में दी जाये।

१२. स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना की मासिक रिपोर्ट का प्रारूप संलग्न है।
(आयुक्त उच्च शिक्षा से अनुमोदित).

27/10/20

(प्रो. उमेश कुमार सिंह)
निदेशक
स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना
मध्यप्रदेश शासन, भोपाल

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की मासिक रिपोर्ट का प्रारूप

महाविद्यालय का नाम.. जिला.......................................

फोन नंबर एसटीडी कोड सहित...प्रकोष्ठ प्रभारी का नाम ....

मोबाईल नं.......................................ई–मेल आईडी...

महाविद्यालय का जावक क ....दिनांक..................................

प्रति,

निदेशक,
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना,
भोपाल (म0प्र0)

विषय :– माह......................................सत्र–................................की मासिक कॅरियर रिर्पोट प्रेषण बावत।

माह–...में आयोजित कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों हेतु संधारित रजिस्टर के आधार पर निम्नानुसार जानकारी आपकी ओर प्रेषित हैं ।

//प्रपत्र//

क्र.	दिनांक	मार्गदर्शन का विषय	विषय विशेषज्ञ / मार्गदर्शन देने वाले का नाम, पद मोबाइल नंबर	लाभान्वित विद्यार्थियों की वर्ग अनुसार संख्या									
				SC		ST		OBC		GEN		TOTAL	
				M	F	M	F	M	F	M	F	M	F
1													
2													
3													
		कुल योग											

प्लेसमेंट की जानकारी

क्र.	विद्यार्थियों के नाम	प्लेसमेंट की तिथि	रोजगार प्रदाता का नाम, पता एवं अधिकृत ईमेल आईडी	वेतन	रिमार्क
1					
2					

प्रकोष्ठ प्रभारी का नाम एवं हस्ताक्षर
मोबाईल नं ....

प्राचार्य के हस्ताक्षर
मोबाईल नं ....

नोटः– कृपया इस रिपोर्ट के साथ अलग से कवरिंग पत्र न लगाएं तथा उक्त रिपोर्ट इस कार्यालय की E-mail- hesvcgs@mp.gov.in पर ही मेल करें ।

कार्यालय निदेशक, स्वामी विवेकानन्द कॅरियर मार्गदर्शन योजना

उच्च शिक्षा, भोपाल (मध्यप्रदेश)
E-mail: hesvcgs@mp.gov.in Telephone - 0755-2550064

क्रमांक/२७७/198/विवेकानंद/2021 भोपाल, दिनांक 02/08/21

प्रति,

प्राचार्य,
समस्त शासकीय महाविद्यालय
(मध्यप्रदेश)

विषय–कॅरियर कैलेन्डर शैक्षणिक सत्र 2021–22 का प्रकाशन बावत।

—00—

विषयान्तर्गत लेख है स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजनान्तर्गत प्रतिवर्ष अनुसार वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2021–22 का कॅरियर कैलेन्डर संलग्न आपकी ओर प्रेषित है।

कृपया कॅरियर कैलेन्डर अनुसार मासिक गतिविधियों का आयोजन कोविड–19 के संबंध में जारी निर्देशो के अनुरुप महाविद्यालयों में किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

संलग्न–उपरोक्तानुसार

(चंन्द्रशेखर वालिम्बे) IAS
अपर आयुक्त
उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश

पृष्ठ क्रमांक/२८८/198/विवेकानंद/2021 भोपाल, दिनांक 02/08/21

प्रतिलिपि–

1. विशेष सहायक माननीय मंत्री जी, उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश शासन, भोपाल।
2. स्टाफ आफीसर, प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, मंत्रालय, भोपाल।
3. निदेशक, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, उच्च शिक्षा, भोपाल।
4. समस्त क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा समस्त संभाग, मध्यप्रदेश।
5. संभागीय नोडल अधिकारी SVCGS समस्त संभाग, मध्यप्रदेश
6. जिला नोडल अधिकारी समस्त जिले मध्यप्रदेश।
7. प्रकोष्ठ प्रभारी/टी0पी0ओ0 संबंधित महाविद्यालय, मध्यप्रदेश।
8. कार्यालयीन अभिलेख।

....................की ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

अपर आयुक्त
उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश

Scanned with CamScanner

कार्यालय निदेशक, स्वामी विवेकानन्द कॅरियर मार्गदर्शन योजना

उच्च शिक्षा, भोपाल (मध्यप्रदेश)

E-mail: hesvegs@mp.gov.in Telephone - 0755-2550064

(समस्त शासकीय महाविद्यालयों हेतु शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए कॅरियर कैलेंडर)

जुलाई-2021

प्रथम वर्ष से लेकर अंतिम वर्ष तक सभी प्रवेशित विद्यार्थियों का डाटा-बेस आवश्यक रूप से तैयार किया जाये एवं इसे प्रत्येक वर्ष परीक्षा परिणाम घोषित होने के साथ अपडेट किया जाये।

आरंभिक एवं शून्य कक्षाओं में विद्यार्थियों को जीवन में कॅरियर नियोजन के महत्व एवं इसके विविध आयामों से परिचित करवाने हेतु व्याख्यानों का ऑनलाइन/ऑफलाइन आयोजन किया जाये। नव प्रवेशित विद्यार्थियों की ऑनलाइन / ऑफलाइन कॅरियर काउंसलिंग की जाये तथा उन्हें कॅरियर मार्गदर्शन दिया जाये। इस हेतु महाविद्यालयीन प्राध्यापकों एवं सुविधानुसार वाह्य विशेषज्ञों की सहायता ली जा सकती है। महाविद्यालय के प्राध्यापकों के माध्यम से कक्षावार विद्यार्थियों को स्वॉक (SWOC) विश्लेषण का अभ्यास कराया जाये ताकि वे अपनी क्षमता एवं रुचि को पहचान सकें। गुरुपूर्णिमा पर्व पर **गुरुवे नमः** कार्यक्रम का आयोजन भी सभी कक्षाओं के लिये ऑनलाइन / ऑफलाइन किया जाये। 26 जुलाई कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजन रखा जाए।

विद्यार्थियों को जल संरक्षण और वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया जाये।

बोध वाक्य -दृढ़ एवं सकारात्मक प्रयत्नों के आगे भाग्य को भी झुकना पड़ता है।

सुभाषित-

समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः ।

समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति । (ऋग्वेद 10.191.4)

(हमारे संकल्प समान हों, हमारे हृदय एक हों, हमारे मन एक हों ताकि हम प्रसन्नता पूर्वक मिल- जुल कर रह सकें)

अगस्त-2021

स्नातक-प्रथम वर्ष- व्याख्यान / गतिविधि के विषय-

– स्वामी विवेकानन्द कॅरियर मार्गदर्शन योजना के उद्देश्यों एवं विविध गतिविधियों के साथ ही कॅरियर मित्र-एप की जानकारी, भारत का भौगोलिक परिचय, अच्छा कॅरियर कैसे बनाएं की जानकारी विद्यार्थियों को दी जाए। प्रवेशित विद्यार्थियों की ऑनलाइन/ऑफलाइन कॅरियर काउंसलिंग की जाये तथा उन्हें कॅरियर मार्गदर्शन दिया जाये। विद्यार्थियों की व्यक्तिगत रुचि की जानकारी एकत्र कर डाटाबेस तैयार किया जाए। प्रत्येक विद्यार्थी को कम से कम एक पौधा रोपित करने और उसे संरक्षित करने हेतु प्रेरित किया जाये।

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा, भोपाल (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

बोधवाक्य -

'बार-बार प्रयत्न करने से असंभव भी संभव हो जाता है।' -योगवशिष्ठ

सुभाषित - यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ।। -भगवतगीता

(श्रेष्ठ पुरुष जैसा आचरण करते हैं, दूसरे लोग भी वैसा ही आचरण करते हैं। श्रेष्ठ पुरुष जो प्रमाण प्रस्तुत करते हैं, अन्य लोग भी उसी का अनुसरण करने लग जाते हैं।)

द्वितीय वर्ष-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

प्रवेशित विद्यार्थियों की ऑनलाइन/ऑफलाइन कॅरियर काउंसलिंग की जाये तथा उन्हें कॅरियर मार्गदर्शन दिया जाये। भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन एवं प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी। सम्प्रेषण कौशल और व्यक्तित्व निर्माण। विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की जानकारी। हमारे विविध त्योहार और सामाजिक सौहार्द। प्रत्येक विद्यार्थी को कम से कम एक पौधा रोपित करने और उसे संरक्षित करने हेतु प्रेरित किया जाए।

बोधवाक्य-

'परिश्रम, परिश्रम और परिश्रम ही सफलता का मूलमंत्र है। जो मनुष्य परिश्रम से भागता है, वह कभी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता'।

-स्वामी विवेकानन्द

सुभाषित - दीर्घ सूत्री विनश्यति। -महाभारत

(कार्य में अनावश्यक विलम्ब करने वाला नष्ट हो जाता है।)

तृतीय वर्ष-व्याख्यान / गतिविधि के विषय-

प्रमुख महिला स्वतंत्रता सेनानी, जल प्रदूषण, जल संरक्षण, कुटीर उद्योग और रोजगार के अवसर। औद्योगिक भ्रमण के माध्यम से महाविद्यालय के आस-पास के औद्योगिक क्षेत्रों का परिचय। प्रवेशित विद्यार्थियों की ऑनलाइन/ऑफलाइन कॅरियर काउंसलिंग की जाये तथा उन्हें कॅरियर मार्गदर्शन दिया जाये। प्रत्येक विद्यार्थी को कम से कम एक पौधा रोपित करने और उसे संरक्षित करने हेतु प्रेरित किया जाए।

बोध वाक्य-

'उद्यम से ही कार्यों की सिद्धि होती है, केवल इच्छा करने मात्र से नहीं।'

सुभाषित-

श्रध्दावान्ल्लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः।
ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति ।। -भगवत गीता

(श्रध्दा रखने वाले, अपनी इन्द्रियों पर संयम रखने वाले मनुष्य साधन परायण होकर अपनी तत्परता से ज्ञान प्राप्त करते हैं। फिर ज्ञान मिल जाने पर परम शांति को प्राप्त होते हैं।)

स्नातकोत्तर-पूर्वार्ध- व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

भारत का स्वाधीनता संग्राम, भारत का प्राचीन इतिहास, आत्मानुशासन, म.प्र. के पर्यटन स्थलों का परिचय एवं रोजगार के अवसर। प्रवेशित विद्यार्थियों की

निदेशक

Scanned with CamScanner

ऑनलाइन/ऑफलाइन कॅरियर काउंसलिंग की जाये तथा उन्हें कॅरियर मार्गदर्शन दिया जाये। प्रत्येक विद्यार्थी को कम से कम एक पौधा रोपित करने और उसे संरक्षित करने हेतु प्रेरित किया जाय।

बोध वाक्य-

'हमारा वास्तविक शत्रु कोई बाहरी ताकत नहीं है, बल्कि हमारी खुद की कमजोरियां, हमारी बर्बरता, हमारा स्वार्थ, हमारा पाखंड, हमारा पूर्वाग्रह – ये सब हमारे शत्रु हैं।'- महर्षि अरविंद

सुभाषित –

त्रिषु लोकेषु नास्ति मातृसमो गुरुः।
(तीनों लोकों में माता के समान दूसरा कोई गुरु नहीं है।) -महाभारत

उत्तरार्ध- व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

स्वतंत्रता आन्दोलन एवं स्वतंत्रता के भाव- बोध से सम्बंधित हिन्दी के साहित्यिक गीतों का गायन, कोरोना काल में सकारात्मक प्रयास, योग और स्वास्थ्य, सेवा एवं स्वरोजगार के विविध अवसर। प्रवेशित विद्यार्थियों की ऑनलाइन/ऑफलाइन कॅरियर काउंसलिंग की जाये तथा उन्हें कॅरियर मार्गदर्शन दिया जाए। प्रत्येक विद्यार्थी को कम से कम एक पौधा रोपित करने और उसे संरक्षित करने हेतु प्रेरित किया जाए।

बोधवाक्य-"हम यह प्रार्थना न करें कि हमारे ऊपर समस्या न आये, बल्कि यह प्रार्थना करें कि हम उनका सामना निडरता से कर सकें।" -रवीन्द्रनाथ टैगोर

सुभाषित –

उत्साह सम्पन्नं अदीर्घ सूत्रं क्रियाविधिज्ञं व्यसनेषु असक्तम्।
शूरं कृतज्ञं दृढ़ सौहृदं च लक्ष्मी स्वयं याति निवास हेतो।।

(जो व्यक्ति उत्साह से भरा हुआ है, कार्य को टालने वाला नहीं है, क्रियाविधि को जानने वाला है, व्यसनों से दूर है, बहादुर है, और भलाई करने वाले के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने वाला है, मित्रतापूर्ण स्वाभाव वाला है- ऐसे व्यक्ति के पास संपत्ति स्वयं चली आती है।)

सितम्बर 2021-

प्रथम वर्ष- व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

नैतिक शिक्षा और उसका महत्व, भारत का सांस्कृतिक परिचय, लघु उद्योगों की जानकारी, ड्रापआउट की समस्या और निदान। तर्क शक्ति एवं गणितीय क्षमता का प्रशिक्षण। म.प्र. पर केन्द्रित सामान्य ज्ञान आधारित क्विज का आयोजन। शिक्षक दिवस और हिंदी दिवस का आयोजन।

बोध वाक्य- "कुसंगति में रहने की अपेक्षा अकेले रहना उत्तम है।" – अज्ञात
उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको। - स्वामी विवेकानंद

सुभाषित-

विद्वत्वं च नृपत्वं च नैव तुल्यं कदाचन
स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान् सर्वत्र पूज्यते।।

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा, भोपाल (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

(विद्वत्ता (विद्वान) और राजा अतुलनीय है, राजा को तो अपने राज्य में सम्मान मिलता है, पर विद्वान का सर्वत्र सम्मान होता है।)

द्वितीय वर्ष-व्याख्यान/गतिविधि के विषय – ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्वावलम्बन के अवसर। मेधावी विद्यार्थियों के साथ अध्ययन संबंधी कठिनाइयों के निराकरण हेतु कमजोर विद्यार्थियों से संवाद। प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निबंध लेखन-प्रतियोगिता का आयोजन। हिन्दी-अंग्रेजी शब्द सामर्थ्य प्रतियोगिता। म.प्र. पर केन्द्रित सामान्य ज्ञान आधारित क्विज का आयोजन। शिक्षक दिवस और हिंदी दिवस का आयोजन।

बोध वाक्य-

"एक विचार को लो, उसी के बारे में सोचो । अपने मस्तिष्क, मांसपेशियों, स्नायुओं और शरीर के प्रत्येक भाग को उसी पर केन्द्रित कर दो । यही सफलता का मार्ग है।"

-स्वामी विवेकानन्द

सुभाषित- पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलमन्नं सुभाषितम्।
मूढैः पाषाण खण्डेषु रत्नसंज्ञा विधीयते ।

(पृथ्वी पर तीन ही रत्न हैं जल,अन्न और अच्छे वचन। फिर भी मूर्ख लोग, पत्थर के टुकड़ों को रत्न कहते हैं।)

तृतीय वर्ष – व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका, स्नातक उपाधि के पश्चात रोजगार के अवसर, प्रतियोगिता की तैयारी कैसे करें? हिंदी –अंग्रेजी शब्द सामर्थ्य बढ़ाने हेतु मौखिक /लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता । भारत संघ की राजभाषा हिन्दी । म.प्र. पर केन्द्रित सामान्य ज्ञान आधारित क्विज का आयोजन । शिक्षक दिवस और हिंदी दिवस का आयोजन ।

बोध वाक्य- "धैर्य ऐसा गुण है जो व्यक्ति की कार्य क्षमता में वृद्धि कर उसे सफलता की ओर ले जाता है ।"

सुभाषित- पतितोऽपि कराघातैरुत्पतत्येवकन्दुकः।
प्रायेण साधु वृत्तानां स्थायिन्यो विपत्तयः।।

(जैसे हाथ की पटकी हुई गेंद भी भूमि पर गिरने के वाद ऊपर की ओर उठती है, वैसे ही सज्जनों का बुरा समय थोड़े समय के लिए ही होता है ।)

स्नातकोत्तर-पूर्वार्ध-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

अवसाद की समस्या और समाधान, स्नातकोत्तर पश्चात रोजगार एवं स्वरोजगार के विविध अवसर, कुटीर एवं कृषि आधारित उद्योग के अंतर्गत रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर। हिन्दी हमारी राष्ट्रीय अस्मिता की पहचान है । म.प्र. पर केन्द्रित सामान्य ज्ञान आधारित क्विज का आयोजन। शिक्षक दिवस और हिंदी दिवस का आयोजन ।

बोध वाक्य – संकल्प ही मनुष्य का सबसे बड़ा बल है ।

सुभाषित- उदिते सविता रक्तो रक्तश्चास्तमयेतथा ।

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा, भोपाल (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

संपत्ती च विपत्ती च महतां एक रूपता ।।
(उदय एवं अस्त होते समय सूर्य का रंग लाल ही रहता है, ठीक इसी तरह महापुरुषों की मनः स्थिति भी सम्पत्ति और विपत्ति में एक जैसी ही रहती है ।)

उत्तरार्ध-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

व्यक्तित्व का समग्र विकास, उच्च शिक्षा एवं शोध में रोजगार के अवसर, शोध पूर्व की तैयारी, उद्यमिता का महत्व, शिक्षक बनने की तैयारी कैसे करें, संविधान में हिंदी, प्रतियोगी परीक्षाओं में हिन्दी। म.प्र.पर केन्द्रित सामान्य ज्ञान आधारित क्विज का आयोजन। शिक्षक दिवस और हिंदी दिवस का आयोजन।

बोध वाक्य – असफलता सिर्फ इतना बताती है कि कार्य पूरे मन से नहीं हुआ ।

सुभाषित - मूर्खस्य पंच चिह्नानि गर्वो दुर्वचनं तथा।
क्रोधश्च दृढवादश्च परवाक्येषु अनादरः।।
(मूर्खों के पांच लक्षण हैं- गर्व, अपशब्द, क्रोध, हठ और दूसरों की बात का अनादर ।)

अक्टूबर-2021

प्रथम वर्ष – व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

विविध अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी, उद्यमिता एवं स्वावलंबन, आलस्य मनुष्य का परम शत्रु है, समूह चर्चा एवं साक्षात्कार की तैयारी। सामाजिक सौहार्द पर आधारित काव्य लेखन प्रतियोगिता ।

दो अक्टूबर-गाँधी जयंती (विश्व अहिंसा दिवस),लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती । बीस अक्टूबर वाल्मीकि जयंती ।

बोध वाक्य- "आलसी और अकर्मण्य मनुष्य के सौ वर्ष के जीवन की तुलना में दृढ़तापूर्वक उद्योग करने वाले का एक दिन का जीवन श्रेष्ठ है ।" -महात्माबुद्ध

सुभाषित – आहार, निद्रा, भय, संततित्वं सामान्यमेतत् पशुभिः नराणाम् ।
ज्ञानं हि तेषां अधिकं विशिष्टं ज्ञानेन हीना पशुभिः समानाः ।।
(आहार,निद्रा,भय एवं संततित्व ये आदतें पशुओं और मनुष्यों में समान ही हैं ; केवल ज्ञान ही मनुष्यों में अति विशिष्ट है । जिन के पास यह ज्ञान नहीं है ,वे मनुष्य होते हुए भी पशुओं के समान ही हैं ।)

द्वितीय वर्ष- व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

हमारा नागरिकता बोध, महामारियाँ और मानव स्वास्थ्य, सामान्य ज्ञान आधारित प्रश्न-मंच प्रतियोगिता का आयोजन । वक्तृत्व कला एवं नेतृत्व क्षमता का विकास । सामाजिक सौहार्द पर आधारित काव्य लेखन एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता आदि का आयोजन । दो अक्टूबर-गाँधी जयंती (विश्व अहिंसा दिवस),लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती । बीस अक्टूबर वाल्मीकि जयंती ।

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा, भोपाल (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

बोध वाक्य – शत्रुओं को समाप्त करने का सबसे अच्छा तरीका है कि शत्रुता को ही समाप्त कर दिया जाए। - अब्राहम लिंकन

सुभाषित-

और यह क्या तुम सुनते नहीं विधाता का मंगल वरदान।
शक्तिशाली हो विजयी बनो विश्व में गूंज रहा जय गान ।। -कामायनी

तृतीय वर्ष – व्याख्यान/गतिविधि के विषय –

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें। भारत की सामासिक (composite) संस्कृति, एक भारत श्रेष्ठ भारत के अन्तर्गत मणिपुरी / नागामीज भाषाओं के गीतों की प्रतियोगिता। साक्षात्कार की तैयारी कैसे करें। सामाजिक सौहार्द पर आधारित निबंध लेखन। दो अक्टूबर-गाँधी जयंती (विश्व अहिंसा दिवस),लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती । बीस अक्टूबर वाल्मीकि जयंती।

बोध वाक्य – क्रोध की आँधी विवेक के दीपक को बुझा देती है।

सुभाषित - उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः ।।

(कठिन परिश्रम से ही सफलता प्राप्त होती है, केवल इच्छा मात्र से हीं नहीं, जैसे कोई हिरन स्वयं चलकर सिंह के मुंह में नहीं चला आता, इसके लिए उसे अथक परिश्रम करना पड़ता है।)

स्नातकोत्तर-पूर्वार्ध- व्याख्यान/गतिविधि के विषय –

साक्षात्कार की तैयारी, संप्रेषण कौशल, समय प्रबंधन, हिंदी की संवैधानिक स्थिति , जीवन-कौशल से सम्बंधित अभिप्रेरणात्मक व्याख्यान । सामाजिक सौहार्द पर आधारित वक्तृत्व प्रतियोगिता । दो अक्टूबर-गाँधी जयंती (विश्व अहिंसा दिवस),लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती । वीस अक्टूबर वाल्मीकि जयंती।

बोधवाक्य- "जो व्यक्ति एक स्कूल खोलता है , वह संसार का एक जेलखाना बंद कर देताहै।" -विक्टर ह्यूगो

सुभाषित – दैवं परुषकारे च स्थितमस्य बलाबलम्।
दैवं परुषकारेण दुर्लभं हि उपहन्यते ।।

(भाग्य और पुरुषार्थ दोनों का अपना बलाबल हैं , किन्तु पुरुषार्थ से भाग्य पराजित हो जाता है)

उत्तरार्ध-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

सी.व्ही.रिज्यूम कैसे बनायें, व्यक्तित्व विकास के विविध आयाम, मातृभाषा एवं क्षेत्रीय भाषायें हमारी अस्मिता की पहचान हैं । सामाजिक सौहार्द पर आधारित काव्य लेखन हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाये। (इसी से संवंधित काव्य प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जा सकता है।) दो अक्टूबर-गाँधी जयंती (विश्व अहिंसा दिवस),लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती । वीस अक्टूबर वाल्मीकि जयंती।

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना

Scanned with CamScanner

बोध वाक्य – बीते का सोच न करो ,भविष्य से न डरो, केवल वर्तमान पर ध्यान केन्द्रित करो , यही उन्नति का मूलमंत्र है ।

सुभाषित- सहसाविदधीत न क्रियां अविवेक:परमापदांपदम् ।
वृणते हि विमृष्यकारिणं गुणलुब्धाःस्वमेव संपदः ।।-**भारवि**

(अचानक बिना सोच-समझे कोई कार्य नहीं करना चाहिए क्योंकि विवेक शून्यता ही विपत्तियों का घर होती है। जो व्यक्ति सोच-समझ कर कार्य करता है सम्पत्तियां उसके प्रति स्वयमेव आकृष्ट हो जाती हैं ।)

नवंबर-2021

प्रथमवर्ष-व्याख्यान /गतिविधि के विषय-

रोजगार प्राप्ति हेतु तकनीक का महत्व, सफल उद्यमियों से संवाद, सकारात्मकता जीवन में प्रगति का आधार है, स्वास्थ्य का आधार योग एवं प्राणायाम। मणिपुर / नागालैण्ड का सांस्कृतिक परिचय (विशेष सन्दर्भ- एक भारत श्रेष्ठ भारत) एक नवम्बर-मध्यप्रदेश स्थापना दिवस,24 नवम्बर –गुरु तेगबहादुर शहीदी दिवस ।

बोध वाक्य- "एक विचार को लो , उसी के बारे में सोचो । अपने मस्तिष्क, मांस पेशियों,स्नायुओं और शरीर के प्रत्येक भाग को उसी पर केन्द्रित कर दो, यही सफलता का मार्ग है।" -**स्वामी विवेकानन्द**

सुभाषित – वदनं प्रसाद सदनं सदयं हृदयं सुधामुचोवाचः ।
करणं परोपकारणं येषां केषां न ते वन्द्याः ।।

(जिनके मुख पर सदैव प्रसन्नता रहती है ,जिनका हृदय दया से भरा है ,जिनकी वाणी अमृतमयी है ,जो परोपकार ही करते हैं , ऐसे श्रेष्ठ जन किसके वन्दनीय नहीं हैं ?)

द्वितीय वर्ष-व्याख्यान/गतिविधि के विषय –

पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका, नेतृत्व क्षमता विकास, रचनात्मक लेखन और रोजगार । सी.व्ही.रिज्यूम कैसे बनायें, साक्षात्कार की तैयारी कैसे करें ? एक भारत : श्रेष्ठ भारत। एक नवम्बर-मध्यप्रदेश स्थापना दिवस,24 नवम्बर –गुरु तेगबहादुर शहीदी दिवस।

बोध वाक्य-

"हमारा जीवन हमारे विचारों का प्रतिफल है।" -मार्क सओरेलियस

सुभाषित – प्रियवाक्य प्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः ।
तस्मात् तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता ।।

(मधुर वचनों से सभी जीव प्रसन्न होते हैं ,इसलिए हमें मधुर वचन बोलने में दरिद्रता नहीं दिखानी चाहिए,सदैव मधुर बोलना चाहिए ।)

तृतीय वर्ष-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

जीवन में उद्यमिता का महत्व, सफल उद्यमियों के प्रेरक प्रसंग। मणिपुर / नागालैण्ड/मध्यप्रदेश की अध्ययन यात्रा से लौटे युवाओं के अनुभवों पर आधारित वेबगोष्ठी का

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर म. [illegible] योजना
उच्च शिक्षा, भोपाल (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

आयोजन (विशेष सन्दर्भ एक भारतश्रेष्ठ भारत)। सी.व्ही.रिज्यूम कैसे बनायें। एक नवम्बर-मध्यप्रदेश स्थापना दिवस,24 नवम्बर –गुरु तेगबहादुर शहीदी दिवस।

बोध वाक्य-

दूसरों के दुर्गुणों पर हँसने से अच्छा है कि अपने दुर्गुणों को दूर किया जाए।

सुभाषित -

"न दैन्यं न च पलायनम्।" - महाभारत

(जीवन में न तो दीनता का प्रदर्शन करना चाहिए, न ही अपने दायित्वों से पलायन करना चाहिये।)

स्नातकोत्तर-पूर्वार्ध- व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

सफल उद्यमियों के व्याख्यान, विविध कलायें एवं रोजगार, जीवन एक कल्पवृक्ष है, इंटरनेट का उपयोग, सकारात्मक सोच, तनाव मुक्त जीवन का आधार: योग, लेखन और संवाद कौशल से रोजगार, भाषिक दक्षता संबंधी अभ्यास। एक नवम्बर-मध्यप्रदेश स्थापना दिवस,24 नवम्बर –गुरु तेगबहादुर शहीदी दिवस।

बोधवाक्य-

"आत्मनियंत्रण करो, ईश्वरीय शक्तियां तुम्हारी दासी बन जाएंगी। -स्वामी विवेकानन्द

सुभाषित – रूप यौवन संपन्नाः विशाल कुल संभवाः।

विद्याहीना न शोभन्ते निर्गन्धा इव किंशुकाः।।

(रूप और यौवन से संपन्न तथा उच्च कुल में उत्पन्न व्यक्ति भी विद्याहीन होने पर सुगंध रहित पलाश की तरह सुशोभित नहीं होता, अर्थात विद्या अध्ययन से ही जीवन सार्थक होता है।)

उत्तरार्ध- व्याख्यान/गतिविधि के विषय –

उद्यमिता : वर्तमान की आवश्यकता,समान्य ज्ञान आधारित प्रश्नोत्तरी, परीक्षा की तैयारी कैसे करें, सफलता का मूलमंत्र: अखंड पुरुषार्थ। कौशल विकास के विविध कार्यक्रमों की जानकारी। एक नवम्बर-मध्यप्रदेश स्थापना दिवस,24 नवम्बर –गुरु तेगबहादुर शहीदी दिवस।

बोधवाक्य-"किसी ध्येय की प्राप्ति के लिए परिश्रम करना पड़ता है, ध्येय की प्राप्ति अपने आप कदापि नहीं हो सकती।" -लोकमान्य तिलक

सुभाषित – षडेव तु गुणाः पुंसा न हातव्याः कदाचन।

सत्यं दानमनालस्यमनसूया क्षमा धृतिः ।। - विदुर नीति

(मनुष्य को सत्य, दान, कर्मशीलता, अनसूया (दूसरों के दोष न देखना, दूसरों से ईर्ष्या न करना) क्षमा और धैर्य इन छह गुणों का त्याग कभी भी नहीं करना चाहिए।)

दिसंबर-2021

प्रथमवर्ष-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा, भोपाल (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी, लेखन कौशल और स्वरोजगार ,कौशल अर्जित करें और स्वरोजगार से जुड़ें, कोरोना काल में योग एवं प्राणायाम का महत्व। नर हो न निराश करो मन को ।25 दिसम्बर- सुशासन दिवस ।

बोध वाक्य-

" चिंतन करो ,चिंता नहीं ,नए विचारों को जन्म दो ।"- स्वामी विवेकानन्द

सुभाषित –

अधेन्वाचरति माययैष वाचं शुश्रुवां अफलतामपुष्याम् – ऋग्वेद

(जो सदाचारी नहीं हैं,उनकी शिक्षा उसी प्रकार व्यर्थ है, जैसे जादू से बनी गाय दूध नहीं दे सकती ।)

द्वितीय वर्ष-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

औषधीय पौधों की जानकारी, व्यक्तित्व विकास के विविध आयाम, स्वाभिमान का प्रतीक : स्वरोजगार । अपना उद्यम कैसे प्रारंभ करें, सफल उद्यमी से प्रेरक संवाद, औपचारिक पहनावा एवं हमारा व्यक्तित्व, जननी और जन्म भूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं ।अनुवाद कौशल और रोजगार, 25 दिसम्बर-सुशासन दिवस ।

बोध वाक्य-

"दूसरों के उपर निर्भर रहना बुद्धिमानी नहीं है , बुद्धिमान व्यक्ति को अपने पैरों पर दृढ़तापूर्वक खड़े होकर कार्य करना चाहिए ।"

-स्वामी विवेकानन्द

सुभाषित – विद्या ददाति विनयं, विनयात् याति पात्रताम् ।

पात्रत्वात् धनं आप्नोति ,धनात् धर्मः ततः सुखम् ।।

(विद्या से विनय प्राप्त होती है, विनय से पात्रता प्राप्त होती है,पात्रता से धन,धन से धर्म और धर्म से सुख प्राप्त होता है।)

तृतीय वर्ष-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

अपना उद्यम कैसे प्रारंभ करें, सफल उद्यमी से प्रेरक संवाद, औपचारिक पहनावा एवं हमारा व्यक्तित्व । 25 दिसम्बर- सुशासन दिवस । स्वाभिमान का प्रतीक स्वरोजगार, भाषिक दक्षता संबंधी अभ्यास, वक्तृत्व कौशल से प्राप्त होने वाले रोजगार ।

बोध वाक्य-

"अच्छा स्वास्थ्य और अच्छी समझ, जीवन के दो सर्वोत्तम वरदान हैं ।"

सुभाषित – पराभवो अपि उत्सव एव मानिनाम् ।

(ज्ञानियों के लिए पराभव भी उत्सव के समान होता है ।)

स्नातकोत्तर- पूर्वार्ध-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

कौशल विकास उद्यमिता की आधारशिला है, स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी, हमारे सामाजिक दायित्व, अच्छे वक्ता के गुण । 25 दिसम्बर- सुशासन दिवस ।

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा, भोपाल (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

बोध वाक्य- "जैसे सूखी लकड़ी के साथ गीली लकड़ी भी जल जाती है, इसी तरह कुसंगति में पड़कर सज्जनों को भी दुःख भोगना पड़ता है।"

सुभाषित – विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनम् ।

विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरुः ।।

(विद्या ही मनुष्य की सुन्दरता है ,विद्या ही गुप्त धन है, विद्या ही भोग्य वस्तुओं को देने वाली है, विद्या ही कीर्ति एवं सुख देने वाली है । विद्या ही पूज्यों की भी पूजनीय है , गुरुओं की भी गुरु है ।)

उत्तरार्ध- व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें, प्रार्थना भाव के साथ किया गया परिश्रम सफलता की ओर ले जाता है, लेखन कौशल एवं संवाद कौशल । 25 दिसम्बर- सुशासन दिवस ।

बोधवाक्य-'मनुष्य की शक्तियां असीम हैं ,मनुष्य के संकीर्ण विचार ही उसे ससीम बनाते हैं ।'

सुभाषित – उद्धरेत् आत्मना आत्मानं नात्मानं अवसादयेत् ।

आत्मा एव हि आत्मनो वन्धुः आत्मा एव रिपुः आत्मनः ।। - भगवतगीता

(हमें अपने द्वारा अपना उद्धार करना चाहिए ,स्वयं को नीचे नहीं गिराना चाहिए । यदि हम अपना उद्धार करते हैं तो हम स्वयं अपने मित्र हैं और यदि हम स्वयं को नीचे गिराते हैं तो हम स्वयं अपने शत्रु हैं।)

जनवरी-2022

प्रथम वर्ष-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

प्रबंधन एवं आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में रोजगार / स्वरोजगार । योग एवं कॅरियर । बहु भाषा की योग्यता एवं व्यक्तित्व विकास ।10 जनवरी –विश्व हिंदी दिवस ,12 जनवरी –स्वामी विवेकानंद जयंती (शिकागो व्याख्यान पर चर्चा)

बोध वाक्य –

वारिश के समय सभी पक्षी आश्रय खोजते हैं ,लेकिन बाज बादलों के ऊपर जाकर स्वयं को वारिश से बचा लेता है ; समस्याएँ सबकी एक जैसी हैं, केवल दृष्टिकोण अंतर पैदा करता है ।

सुभाषित -

"परोपकाराय सतांविभूतयः।"

(सज्जनों की विभूति सदैव परोपकार के लिए होती है।)

द्वितीय वर्ष-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

पर्यटन प्रबंधन और रोजगार, भारतीय संस्कृति के मूलतत्व, जय का समस्त साधन नर का उसकी वाहों में रहता है । 10 जनवरी –विश्व हिंदी दिवस ,12 जनवरी –स्वामी विवेकानंद जयंती (शिकागो व्याख्यान पर चर्चा)

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना

Scanned with CamScanner

ध वाक्य – जिसका अंतर्मन पवित्र है ,जो पुरुषार्थी और साहसी है ,उसके लिए कुछ भी अप्राप्य नहीं है ।

सुभाषित - "अनुलंघनीयः सदाचारः।"(सदाचार का उल्लंघन नहीं करना चाहिए ।)

तृतीय वर्ष-व्याख्यान /गतिविधि के विषय-

-निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर। सॉफ्ट टॉय मेकिंग और स्वरोजगार । आलसी व्यक्ति ही भाग्य का रोना रोते हैं। मणिपुर, नागालेंड के त्योहार। 10 जनवरी –विश्व हिंदी दिवस ,12 जनवरी –स्वामी विवेकानंद जयंती (शिकागो व्याख्यान पर चर्चा)

बोध वाक्य – लक्ष्य प्राप्ति में उतना आनंद नहीं, जितना लक्ष्य प्राप्ति के प्रयास करने में है ।

– **सुभाषित** - "अप्रियस्य च पथ्यस्य वक्ताश्रोता च दुर्लभः।"
(अप्रिय किन्तु हितकारी बात कहने और सुनने वाले दुर्लभ होते हैं।)

स्नातकोत्तर- पूर्वार्ध-व्याख्यान / गतिविधि के विषय-

कौशल विकास और स्वरोजगार। स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी। हमारे तीज-त्योहार । लेखन कौशल और वक्तृत्व कौशल से स्वरोजगार।10 जनवरी –विश्व हिंदी दिवस ,12 जनवरी –स्वामी विवेकानंद जयंती (शिकागो व्याख्यान पर चर्चा)

बोधवाक्य-

"तुम्हारी आत्मा सूर्य के सामान तेजस्वी,प्रकाशमान और महान है, अपनी शक्ति को पहचानो ।"-(अथर्ववेद)

सुभाषित –

कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः । - (यजुर्वेद)
(सौ वर्ष तक जीने की इच्छा से हम कर्म रत रहें ।)

उत्तरार्ध-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें। भाग्य और पुरुषार्थ । अनुवाद कला और रोजगार।10 जनवरी –विश्व हिंदी दिवस ,12 जनवरी –स्वामी विवेकानंद जयंती (शिकागो व्याख्यान पर चर्चा)

बोध वाक्य - योग ही कर्मों का कौशल है ।

सुभाषित - "काले खलुसमारब्धाः फलं बध्नन्ति नीतयः।"
(समय पर सही नीतियां हमेशा सफल होती हैं ।)

फरवरी-2022

– **प्रथम वर्ष-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-**

जीवन के लक्ष्य का निर्धारण,सफल उद्यमियों से चर्चा। विभिन्न कलायें एवं स्वरोजगार। फिजिकल फिटनेस प्रशिक्षण एवं रोजगार / स्वरोजगार । द्विभाषा योग्यता एवं कॅरियर के

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा, भोपाल (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

अवसर। कोरोना काल में योग एवं प्राणायाम का महत्व , सफलता सकारात्मक प्रयासों का प्रतिफल है, रचनात्मक लेखन से स्वरोजगार।

बोध वाक्य – जीवन के लिए प्राणवायु जितनी आवश्यक है,लक्ष्य का निर्धारण भी उतना ही आवश्यक है।

सुभाषित - नास्तिविद्या समं चक्षु , नास्ति सत्य समं तपः।
नास्ति राग समं दुखं, नास्ति त्याग समं सुखम् ।।

(विद्या के समान कोई नेत्र नहीं है,सत्य के समान कोई तप नहीं है ,आसक्ति के समान कोई दुःख नहीं है और त्याग के समान कोई सुख नहीं है।)

द्वितीय वर्ष – व्याख्यान/गतिविधि के विषय –

कम्प्यूटर शिक्षा और रोजगार। हमारे मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य। अखंड पुरुषार्थ ही सफलता के शिखर तक पहुंचाता है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी, सफलता सकारात्मक प्रयासों का प्रतिफल है, रचनात्मक लेखन से स्वरोजगार।

बोध वाक्य- "आदमी जन्म से महान नहीं होता वह संस्कारों की अग्नि में तप कर महान बनता है। संस्कार ही सच्ची जीवन संपदा है।"

सुभाषित – हीयते हि मतिस्तात हीनैः सह समागमात्
समैश्च समतामेति विशिष्टैश्च विशिष्टताम्

(हीन व्यक्तियों की संगति से बुद्धि भी हीन हो जाती है, समानबुद्धि वालों की संगति से बुद्धि में समत्व आता है ,लेकिन विशिष्ट लोगों के संगति से बुद्धि में विशिष्टता आ जाती है।)

तृतीय वर्ष- व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

फैशन डिजाइनिंग एवं स्वरोजगार, जीवन में सफलता के सूत्र, रचनात्मक लेखन एवं स्वरोजगार। कोरोना काल में योग एवं प्राणायाम का महत्व , सकारात्मक सोच का जादू।

बोध वाक्य -

कार्य की पूर्ति चाहने वाला दृढ़ निश्चयी व्यक्ति सुख-दुःख की परवाह नहीं करता।

सुभाषित -

प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः ,प्रारभ्य विघ्नविहिता विरमन्ति मध्याः ।
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः ,प्रारभ्य चोत्तमजनाः न परित्यजन्ति ।।

(निम्न प्रकृति के लोग विघ्नों के भय से कार्य प्रारंभ ही नहीं करते,मध्यम प्रकृति के लोग कार्य प्रारंभ तो कर देते हैं ,किन्तु विघ्नों के आ जाने पर कार्य को बीच में ही छोड़ देते हैं ,लेकिन उत्तम प्रकृति के लोग कार्य को प्रारंभ करके उसे कभी अधूरा नहीं छोड़ते,कार्य को पूरा करके ही मानते हैं।)

स्नातकोत्तर-

पूर्वार्ध-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

निदेशक
स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा, भोपाल (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

कृषि क्षेत्र में रोजगार की संभावनायें। स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी , टीम बिल्डिंग, लक्ष्य निर्धारण एवं लक्ष्य प्राप्ति । सफलता सकारात्मक प्रयासों का प्रतिफल है, रचनात्मक लेखन से स्वरोजगार।

बोध वाक्य – जीवन में चमत्कार की प्रतीक्षा मत कीजिए ,प्रयास कीजिए और चमत्कार की सर्जना कीजिए।

सुभाषित -

बुद्धिर्यस्य बलंतस्य, निर्बुद्धिस्य कुतो बलः।

(जिसके पास बुद्धि है, वही बलवान है, बुद्धिहीन के पास बल कहाँ ?)

उत्तरार्ध -व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी। अपना उद्यम कैसे प्रारंभ करें? भाग्य और पुरुषार्थ। अनुवाद कला और रोजगार। संवाद कौशल और स्वरोजगार। लेखन कौशल और स्वरोजगार।

बोध वाक्य – सफलता और असफलता तो शब्द मात्र हैं, वास्तविक आनंद तो प्रयासों में है।

सुभाषित – नालसाः प्राप्नुवन्ति अर्थान् न शठाः न च मायिनः।
न च लोकापवादभीताः न च शाश्वत् प्रतीक्षिणः ।।

(न आलसी, न दुष्ट और न ही छली-कपटी धन प्राप्त कर सकते हैं ; यदि असफल हुए तो लोकनिंदा होगी - इससे भयभीत रहने वाले भी धनार्जन नहीं कर सकते और न ही अनंतकाल तक प्रतीक्षा करने वाले (दीर्घ सूत्री) धन प्राप्त कर सकते हैं।)

मार्च-2022

प्रथम वर्ष-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

परीक्षा की तैयारी एवं सटीक उत्तर लिखने हेतु मार्गदर्शन । पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार। हमारे मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य । भारत की सांस्कृतिक एकता।विश्व जल दिवस का आयोजन।

बोध वाक्य – परिश्रम सौभाग्य का जनक है।

सुभाषित - "उद्योगिनं पुरुष सिंहमुपैति लक्ष्मी।"

(उद्यमी लोगों को ही धन-सम्पत्ति की प्राप्ति होती है)

द्वितीय वर्ष-व्याख्यान के विषय-

परीक्षा की तैयारी एवं सटीक उत्तर लिखने हेतु मार्गदर्शन। अखंड पुरुषार्थ ही सफलता के शिखर तक पहुँचाता है। नर्सिंग के क्षेत्र में रोजगार। विश्व जल दिवस का आयोजन।

बोध वाक्य – आत्मसम्मान आत्मनिर्भरता के साथ आता है।- ए.पी.जे.अब्दुल कलाम

सुभाषित - येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुविभारभूता मनुष्य रूपेण मृगाश्चरन्ति ।।

(जिन लोगों के पास न विद्या है ,न तप है ; न दान है ,न ज्ञान है ; न शील है,न गुण है और न धर्म है,वे इस धरती पर मनुष्य के रूप में पशुवत घूमते रहते हैं।)

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा, भोपाल (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

तृतीय वर्ष-व्याख्यान गतिविधि के विषय- परीक्षा की तैयारी एवं सटीक उत्तर लिखने हेतु मार्गदर्शन, हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में रोजगार। जीवन में सफलता के सूत्र। रचनात्मक लेखन एवं स्वरोजगार। विश्व जल दिवस का आयोजन।

बोध वाक्य - आलस्य दरिद्रता का मूल है।

सुभाषित - मितं च सारं च वचो हि वाग्मिता।

(संक्षिप्त और सार रूप में बात कहना ही वाक्पटुता है।)

स्नातकोत्तर-पूर्वार्ध-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

परीक्षा की तैयारी एवं सटीक उत्तर लिखने हेतु मार्गदर्शन । फूडप्रोसेसिंग के क्षेत्र में स्वरोजगार/रोजगार। महापुरुषों के जीवन वृत्त। औषधीय पौधों की जानकारी, समाज सेवा और व्यक्तित्व विकास। विश्व जल दिवस का आयोजन।

बोध वाक्य– सपने वे नहीं हैं ,जो हम नींद में देखते हैं, सपने वे हैं ,जो हमें सोने नहीं देते। - डॉ.ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

सुभाषित - आज्ञा गुरूणां हि अविचारणीया। - रघुवंशम्

(विना किसी तर्क –वितर्क के गुरु जनों की आज्ञा का पालन करना चाहिए।)

उत्तरार्ध-व्याख्यान/गतिविधि के विषय-

परीक्षा की तैयारी एवं सटीक उत्तर लिखने हेतु मार्गदर्शन। ब्यूटीशियन एवं फिज़ीकल फिटनेस के क्षेत्र में रोजगार/स्वरोजगार। अनुवाद कला और रोजगार। दैव-दैव आलसी पुकारा। विश्व जल दिवस का आयोजन।

बोध वाक्य – इंतज़ार करने वालों को उतना मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। - डॉ.ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

सुभाषित - कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

(कर्म पर ही तुम्हारा अधिकार है, कर्म के फल पर नहीं।)

अप्रैल-मई-जून- 2021

महाविद्यालय में अध्ययनरत ऐसे विद्यार्थी (विशेष रूप से अंतिम वर्ष के विद्यार्थी) जो पीएससी,बैंक ,बीमा ,रेलवे ,एसएससी,रक्षा सेवा ,कैट ,मैट,नैट आदि परीक्षाओं में सम्मिलित हो रहे हैं या होना चाहते हैं ,के लिए इन परीक्षाओं की तैयारी से सम्बंधित व्याख्यानों का आयोजन किया जाए ,साथ ही विद्यार्थियों को महाविद्यालयीन परीक्षाओं हेतु भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाए।

आलोक -

1. **सुभाषित पंक्तियों और बोध वाक्यों में जीवन का सार होता है, इनमें अगाध जीवनानुभव होता है ,इनको समझने से न केवल विद्यार्थी के चरित्र का निर्माण होगा, अपितु वे इनसे जीवन में मार्गदर्शन भी प्राप्त कर सकेंगे इसलिए सभी विद्यार्थियों को सुभाषित और बोध वाक्यों का मर्म समझाते हुए इनको कंठस्थ भी कराया जाये।** दिए गए विषयों के अलावा व्याख्यान आदि के अन्य प्रेरक /रोजगारपरक विषय भी आवश्यकतानुसार शामिल किए जा सकते हैं।

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा, भोपाल (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

24 नवम्बर को गुरु तेगबहादुर के शहीदी दिवस के अवसर पर सभी कक्षाओं में कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन किया जाये ।

3. महापुरुषों की जन्म जयंतियों एवं परम्परागत त्योहारों/उत्सवों पर राज्य कार्यालय से ऑनलाइन व्याख्यानों का आयोजन प्रतिमाह किया जाएगा ।

सूचनाएं -

1. विद्यार्थियों की ऑनलाइन/ऑफ़लाइन कक्षाएं योजना के कार्यक्रम के कारण प्रभावित न हों, इस बात का ध्यान रखा जाये।
2. कोविड-19 को देखते हुए सुरक्षा के नियमों का पालन किया जाये।
3. ये गतिविधियाँ शिक्षक अभिभावकों के माध्यम से कक्षाओं में संचालित की जाएँ ।
4. ऑनलाइन कक्षाओं के बाद सप्ताह में 30 मिनिट अथवा अवकाश के दिन कार्यक्रम सम्पन्न कराये जायें ।
5. व्याख्यानों हेतु वाह्य विशेषज्ञों की सहायता के लिए भोपाल कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। महाविद्यालय के प्राध्यापक /सहायक प्राध्यापकों के माध्यम से कक्षावार विद्यार्थियों को स्वअभ्यास करवाया जाए ताकि वे अपनी क्षमता एवं रुचि को पहचान पायें ।
6. विद्यार्थियों को कॅरियर के प्रति जागरूक बनाने हेतु सप्ताह के हर शनिवार को विशेषज्ञों की सहायता से संकायवार प्रेरणात्मक व्याख्यानों का आयोजन ऑनलाइन/ऑफ़लाइन किया जाए तथा संबंधित संकाय में उपलब्ध कॅरियर अवसरों की अनिवार्यतः जानकारी दी जाए।
7. विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के उद्देश्यों एवं गतिविधियों की जानकारी दी जाये तथा उन्हें **कॅरियर कार्यकर्ता** बनने हेतु प्रेरित करें । इससे विद्यार्थी समूह में कार्य करना, सम्प्रेषण कौशल, आत्मविश्वास, औपचारिक पहनावा एवं व्यक्तित्व निर्माण कर अपने आपको अधिक रोजगारोन्मुखी बना पाएँगे। महाविद्यालयों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कॅरियर कार्यकर्ता समूहों के कई कॅरियर कार्यकर्ता प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से शासकीय सेवा, प्लेसमेंट एवं स्वव्यवसाय स्थापना एवं संचालन में सफल हो चुके हैं ।
8. स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की रोजगार मूलकता बढ़ाने हेतु विद्यार्थियों को तर्क शक्ति प्रशिक्षण, गणितीय अभिक्षमता प्रशिक्षण, शब्दसामर्थ्य (वोकेबलरी), डेटा इन्टरप्रिटेशन , संप्रेषण तथा लेखन कौशल इत्यादि के बारे में प्रशिक्षण दिया जाए ताकि केम्पस प्लेसमेंट के समय उनके एप्टिट्यूड टेस्ट में सफल होने का प्रतिशत बढ़ सके । विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया जाए ।
9. स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों से प्लेसमेंट हेतु उनकी रुचि, रुझान एवं कौशल की जानकारी लिखित में प्राप्त की जाए तथा महाविद्यालय में इसका संधारण किया जाए । उक्त जानकारी लेते समय जिले, प्रदेश एवं देश में उपलब्ध रोजगार अवसरों,\ संस्थाओं की प्रोफाइल / जॉब प्रोफाइल की जानकारी भी विद्यार्थियों को दी जाए।प्लेसमेंट हेतु स्थानीय एवं बाह्य रोजगार प्रदाताओं को आमंत्रित किया जाए।

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा, भोपाल (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

प्रकोष्ठ की कॅरियर लायब्रेरी को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है, प्राचार्यों से आग्रह है कि वे व्यक्तिगत रुचि लेकर अपने स्तर से इस हेतु कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके।

10. प्रत्येक महाविद्यालय में एक **कॅरियर बोर्ड** एवं **कॅरियर मैगज़ीन** का होना सुनिश्चित किया जाये ।विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरों /सेवाओं की जानकारी अनिवार्यतः दी जाए ।

11. प्रदेश के सभी जिलों के महाविद्यालयों में निरंतर ऑनलाइन/ ऑफ़लाइन कॅरियर अवसर मेलों का आयोजन किया जाएगा। समस्त महाविद्यालय अपने जिले में आयोजित होने वाले कॅरियर अवसर मेलों की संपूर्ण जानकारी एवं आयोजन तिथि, संबंधित आयोजक महाविद्यालय से प्राप्त कर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ताकि इच्छुक विद्यार्थियों को कॅरियर अवसर मेलों एवं प्लेसमेंट का लाभ प्राप्त हो सके।

12. गतसत्र से व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना में विलय हो चुकी है, अतः टी.पी.ओ को महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के कैंपस प्लेसमेंट के साथ व्यक्तित्व विकास में भी शासन की शिक्षक अभिभावक योजना के माध्यम से सतत प्रयत्नशील रहना है। इस हेतु वार्षिक कैलेण्डर में व्यक्तित्व विकास के विषय भी शामिल किये जा रहे हैं ।

13. आत्मनिर्भर भारत को दृष्टिगत रखते हुये जो महाविद्यालय ग्रामीण पृष्ठभूमि के हैं एवं जहाँ कृषि या कृषि इतर कार्यों से जुड़े परिवारों के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, ऐसे महाविद्यालय रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को कृषि उपकरणों यथा वाटरपंप-मोटर, सीड़ ड्रील, स्प्रिंकलर, ड्रिप इरीगेशन उपकरण के संस्थापन, रख-रखाव एवं मरम्मत की जानकारी के साथ-साथ जैविक खेती, उद्यानिकी, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती, वर्मी कम्पोस्ट आदि की जानकारी/ प्रशिक्षण भी उपलब्ध करायें।

14. क्रीड़ा के क्षेत्र में भी आजीविका के काफी अवसर मौजूद है, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में स्पोर्ट्स कोटा अंतर्गत। अतः महाविद्यालय में पदस्थ/ कार्यरत क्रीड़ा अधिकारी भी इच्छुक विद्यार्थियों को समय-समय पर क्रीड़ा के क्षेत्र में रोजगार संभावनाओं की जानकारी उपलब्ध करा कर उन्हें इस हेतु प्रोत्साहित करें तो और बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकेंगे।

15. कॅरियर कैलेण्डर की नियमित गतिविधियों के संचालन हेतु विद्यार्थियों से प्रवेश के समय लिये गये कॅरियर शुल्क का उपयोग किया जाना है। शेष शुल्क की जानकारी स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, भोपाल कार्यालय को प्रति वर्ष अप्रैल में दी जाये ।

निदेशक
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना
उच्च शिक्षा, भोपाल (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की मासिक रिपोर्ट का प्रारूप

महाविद्यालय का नाम..जिला ....
फोन नं.एस.टी.डी.कोड सहित..
ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी का नाम ....
मोबाइल नं...ई.मेल आई.डी..
महाविद्यालय का जावक क्रमांक ....दिनांक ....

प्रति,
निदेशक,
स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना,
भोपाल (म0प्र0)

विषयः-माह......................सत्र-................की मासिक कॅरियर रिर्पोट प्रेषण के सम्बन्ध में।

माह-.............................में आयोजित कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों हेतु संधारित रजिस्टर के आधार पर निम्नानुसार जानकारी आपकी ओर प्रेषित है -

//प्रपत्र//

क्र.	दिंनाक	मार्गदर्शन का विषय	विषय विशेषज्ञ/ मार्गदर्शन देने वाले का नाम, पद मोबाइल	लाभान्वित विद्यार्थियों की वर्ग अनुसार संख्या									
				SC		ST		OBC		GEN		TOTAL	
				M	F	M	F	M	F	M	F	M	F
1													
2													
3													
		कुल योग											

प्लेसमेंट की जानकारी

क्र.	विद्यार्थियों का नाम	प्लेसमेंट की तिथि	रोजगार प्रदाता का नाम, पता एवं अधिकृत ईमेल आईडी	वेतन	रिमार्क
1					
2					

ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी
का नाम एवं हस्ताक्षर
मोबाइल नं ....

प्राचार्य के हस्ताक्षर
मोबाइल न. ....

नोटः- कृपया इस रिपोर्ट के साथ अलग से कवरिंग पत्र न लगाएं तथा उक्त रिपोर्ट इस कार्यालय के E-mail: hesvcgs@mp.gov.in पर ही मेल करें।

Scanned with CamScanner